हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, गुरुवार, 6 फरवरी 2025 | अंक 115/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या आप जोडे के दर्द से परेशान ही ?

• जोडों का दर्द • गठियावात • सन्धिशोध • सरवाइकल पेन

पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

दिल्ली में तख्तापलट..! कमल खिलेगा ?

नई दिल्ली.

दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों पर 5 फरवरी को मतदान हुआ. इसके बाद अब एग्जिट पोल सामने आने लगे हैं. एग्जिट पोल में दिल्ली में बड़ा बदलाव होते दिख रहा है.

पोल ऑफ पोल्स में बीजेपी की बल्ले-बल्ले

दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले एग्जिट पोल के आंकड़े सामने आए हैं. इनमें से ज्यादातर एग्जिट पोल के मुताबिक बीजेपी दिल्ली में सरकार बनाती दिख रही है. पोल ऑफ पोल्स में बीजेपी बढ़त बनाती नजर आ रही है. ११ एग्जिट पोल के पोल ऑफ़ पोल्स में बीजेपी - ३९ , आप - ३० और कांग्रेस - १ दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों पर आज शाम को वोटिंग खत्म होने के बाद 11 एग्जिट पोल आए। 9 में भाजपा को बहुमत तो 2 में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने का अनुमान है।

पोल ऑफ पोल्स में भाजपा को 39, आप को 30 और कांग्रेस को एक सीट मिलती दिख रही है। पोल डायरी ने अपने एग्जिट पोल में अन्य को भी 1-1 सीट मिलने के आसार हैं।

> बीजेपी की 26 साल बाद वापसी या केजरीवाल की फिर लॉटरी

अगर भाजपा को बहुमत मिलता है तो वो 27 साल बाद सत्ता में लौटेगी। इससे पहले 1993 में भाजपा ने 49 सीटें जीतीं और 5 साल में 3 CM बनाए थे। मदनलाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा और सुषमा स्वराज ।तीनों नेताओं के बेटे-बेटी दिल्ली की राजनीति में सक्रिय हैं। खुराना के बेटे हरीश खुराना मोतीनगर से, साहिब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश वर्मा नई दिल्ली से चुनाव लड़ रहे हैं। बांसुरी स्वराज नई दिल्ली से सांसद हैं।

चाणक्य स्ट्रैटजी - के एग्जिट पोल में भी बीजेपी को बढ़त मिलती दिख रही है. इस सर्वे के अनुसार, दिल्ली में आप को 25-28 सीटें मिल सकती हैं, जबकि बीजेपी दिल्ली में 39-44 सीटें मिलती दिख रही हैं. जबकि कांग्रेस 2-3 सीटें जीत सकती हैं.

मैट्रिजे के सर्वे के मुताबिक - दिल्ली में बीजेपी और आम आदमी पार्टी के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है. लेकिन इसमें बीजेपी को मामूली बढ़त देखने को मिल रही है. इन आंकड़ों के मुताबिक, आप को 32-37 सीटें मिलती दिख रही हैं, जबकि बीजेपी 35-40 सीटों के साथ दिल्ली में सरकार बनाती दिख रही है. वहीं कांग्रेस को भी एक सीट मिलती दिख रही है.

पीपल इनसाइट - के एग्जिट पोल के आंकड़ों को देखें तो आम आदमी पार्टी के खाते में 25 से 29 सीटें जाती दिख रही हैं. जबकि बीजेपी को 40 से 44 सीटें मिल सकती हैं. कांग्रेस का भी खाता खुलता दिख रहा है. कांग्रेस 0 से 2 सीटें मिल सकती है. दिल्ली में सरकार बनाने के लिए 36 सीटों की जरूरत होती है.

पोल डायरी - के एग्जिट पोल में भी दिल्ली में बदलाव होता दिख रहा है और बीजेपी बहुमत के साथ सरकार बनाती दिख रही है. इस पोल के मुताबिक, आप 18-25 सीटें हासिल कर सकती है, जबकि बीजेपी को 42-50 सीटें मिल सकती हैं. वहीं, कांग्रेस को 0-2 सीटें मिल सकती हैं.

विप्रेसिड - के सर्वे की बात करें तो इसमें आम आदमी पार्टी को दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों में से 46-52 सीट मिलने का अनुमान जताया गया है. वहीं, बीजेपी के खाते में 18 से 23 सीटें जाने का अनुमान है. कांग्रेस को जीरो से 01 सीटें मिल सकती हैं. दिल्ली में किसी भी पार्टी को सरकार बनाने के लिए 36 सीटों की जरूरत पड़ती है. ऐसी स्थिति में अगर इस सर्वे का अनुमान सही हुआ तो राजधानी में एक बार फिर से आप की वापसी हो सकती है.

क्या कह रहा माइंड ब्रिंक

अब की बात करें तो इसमें आम आदमी पार्टी को 44-49 सीट मिलने के अनुमान लगाया गया है. इतनी सीट मिलने का मतलब है कि आम आदमी पार्टी की दिल्ली में फिर से वापस हो सकती है. वहीं, बीजेपी को 21-25 और कांग्रेस को जीरो से 01 सीट मिलने का अनुमान है. इस तरह से देखें तो इस सर्वे में भी आम आदमी पार्टी की फिर से सत्ता में वापसी के संकेत मिले हैं.

दिल्ली चुनाव की वोटिंग खत्म

6 बजे तक करीब 58 फीसदी मतदान, मुस्तफाबाद सबसे आगे

नई दिल्ली.

राजधानी दिल्ली के 11 जिलों की सभी 70 विधानसभा सीटों पर शाम 6 बजे तक वोटिंग का समय तय किया गया था. जो लोग लाइन में लगे हैं उन्हें अपना वोट डालने की इजाजत होगी. इस बीच निर्वाचन आयोग ने वोटिंग के ताजा आंकड़े जारी कर दिए हैं. यहां शाम पांच बजे तक 57.70 फीसदी वोटिंग हुई है. दिल्ली के 11 जिलों के आंकड़े निर्वाचन आयोग ने जारी किए हैं. शाम 5 बजे तक सेंट्रल दिल्ली में 55.24 फीसदी, पूर्वी दिल्ली में 58.98 फीसदी, नई दिल्ली में 54.37, उत्तरी दिल्ली में 57.24 फीसदी, उत्तर-पूर्व दिल्ली में 63.38 फीसदी, उत्तर पश्चिम दिल्ली में 58.05 फीसदी, शाहदरा में 61.35 फीसदी, दक्षिण दिल्ली में 55.72 फीसदी, दक्षिण-पूर्व दिल्ली 53.77 फीसदी, दक्षिण पश्चिम दिल्ली में 58.86 फीसदी और पश्चिमी दिल्ली में 57.42 फीसदी वोटिंग हुई है. मुस्तफाबाद सीट पर 66.68 फीसदी और सीलमपुर सीट पर 66.41 फीसदी वोटिंग हुई है. सुबह 9 बजे 8.10 फीसदी, सुबह 11 बजे 19. 95 फीसदी, दोपहर 1 बजे 33. 31 फीसदी और दोपहर 3 बजे 46.55 फीसदी वोटिंग हुई.

टोल टैक्स खत्म करने के संकेत दिए गड़करीने

नई दिल्ली.

केंद्र सरकार टोल से भी जल्द ही बड़ी राहत देने जा रही है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ऐसे संकेत दिए हैं। हाल ही में एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया है कि टोल को लेकर सभी की 'शिकायतें' खत्म होने वाली हैं। खास बात है कि सरकार ने बजट 2025 में 12 लाख रुपये की आय पर कोई इनकम टैक्स नहीं लगाकर बड़ी राहत का ऐलान किया था। एनडीटीवी से बातचीत में गडकरी से जब टोल से राहत को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, 'जल्द ही मिल जाएगी।' उन्होंने कहा, 'हमारा अध्ययन पूरा हो गया है। हम जल्द ही ऐसी स्कीम लाएंगे कि सभी लोगों को टोल से एक प्रकार से तकलीफें खत्म हो जाएंगी।' हालांकि, उन्होंने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया, लेकिन कहा, 'पर मैं जल्द ही स्कीम जारी करके इसे खत्म करूंगा।' उन्होंने कहा, 'मेरे भी बहुत कार्टून निकलते हैं। सोशल मीडिया पर लोग ट्रोल करते हैं। टोल को लेकर लोग नाराज ही हैं। मैं बस इतना ही कह सकता हूं आने वाले कुछ ही दिनों में यह नाराजगी दूर हो जाएगी।'

केंद्रीय मंत्री ने टोल कलेक्शन के तरीके में भी बदलाव के संकेत दिए हैं। जब टोल टैक्स के लिए बार-बार रुकने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, 'देखिए 99 फीसदी फास्टैग हैं। रुकने की जरूरत नहीं पड़ेगी कहीं।' उन्होंने संकेत दिए हैं कि इसे सैटेलाइट से जोड़ने की तैयारी चल रही है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा सरकार कई नीतियां जारी करेगी।

केरल में पकड़ा गया 'नटवरलाल'

कोच्चि. केरल के कोच्चि में 26 साल का 'नटवरलाल' पकड़ा गया है। इस महाठग ने लोगों को स्कूटी, घरेलू सामान और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम आधी से कम कीमत पर देने का लालच देकर 20 करोड़ से अधिक की ठगी कर दी। यह दो साल से लोगों को बेवकूफ बनाता रहा और उनकी रकम से मौज उड़ाता रहा। इसने एक फर्जी एनजीओ भी बनाया। जब पीड़ितों के सब्र का बांध टूट गया तो उन्होंने पुलिस से मामले में ऐक्शन की गुहार लगाई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों में 6 अन्य लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

स्वीडन के स्कूल में गोलीबारी, 10 लोगों की मौत

स्टॉकहोम.

मध्य स्वीडन के स्कूल में गोलीबारी की खबर है। इस गोलीबारी में दस लोग मारे गए हैं। खबर लिखे जाने तक ये सामने नहीं आ पाया है कि मृतकों में बंदूकधारी शामिल हैं या नहीं। हालांकि अभी यह पता नहीं लग सका है कि इस गोलीबारी में कितने लोग घायल हुए हैं।

आरेब्रो के बाहरी क्षेत्र में ये गोलीबारी हुई है। अचानक हुई इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया, जिसके बाद फौरन पुलिस मौके पर पहुंची। जिस जगह पर ये गोलीबारी हुई है, वह स्टॉकहोम से करीब 200 किलोमीटर की दूरी पर है। स्थानीय पुलिस प्रमुख रॉबर्टो एड फोरेस्ट का कहना है कि ये घटना कैसे हुई, इसकी जांच की जा रही है।

उन्होंने कहा कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि गोलीबारी स्कूल (भवन) के अंदर हुई है या कहीं और। जिस स्कूल में ये गोलीबारी हुई है, उसमें 20 साल से ज्यादा उम्र के लोग पढ़ते हैं। इस स्कूल का नाम कैंपस रिसबर्गस्का है। इस मामले में पीएम उल्फ क्रिस्टर्सन का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि ये पूरे स्वीडन के लिए बहुत दुखद दिन है।

पुलिस अधिकारी फॉरेस्ट ने कहा, 'हमें लगता है कि वह अकेला अपराधी है। गोलीबारी बेहद दुखद थी, इसमें कई लोग शामिल थे। यह एक भयानक घटना है, यह असाधारण है और एक बुरा सपना है। जनता से इस क्षेत्र से दूर रहने और घर के अंदर रहने का आग्रह किया गया है। स्वीडन के न्याय मंत्री गुन्नार स्ट्रोमर ने मंगलवार को पुलिस अभियान में तेजी बताई और कहा कि सरकार पुलिस के साथ निकट संपर्क में है और घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रही है।'

स्वीडन में हुई इस घटना में मारे गए लोगों की ये संख्या दुनियाभर में चर्चा का विषय बन गई है। इससे पहले भी विदेशों से इस तरह की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

मिल्कीपुर में 65.25 फीसदी वोटिंग

मिल्कीपुर.

उत्तर प्रदेश के मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र और तमिलनाडु के इरोड (पूर्व) में उपचुनाव के लिए बुधवार को मतदान हुआ. भारतीय चुनाव आयोग के अनुसार, शाम 5 बजे तक इरोड (पूर्व) में 64.02% और मिल्कीपुर में 65.25% मतदान हुआ. मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ और शाम 5 बजे तक चला. मिल्कीपुर में नया रिकॉर्ड बना है. 2022 में 60 फीसदी वोटिंग हुई थी, जबकि उपचुनाव 65 प्रतिशत से अधिक वोटिंग हुई है.दिल्ली सहित विधानसभा उपचुनावों के रिजल्ट 8 फरवरी को घोषित किये जाएंगे.

मिल्कीपुर में समाजवादी पार्टी के अजीत प्रसाद और भारतीय जनता पार्टी के चंद्रभानु पासवान सहित 10 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गयी है. बसपा जहां उपचुनाव नहीं लड़ रही है, वहीं कांग्रेस इस सीट पर अपने गठबंधन सहयोगी सपा का समर्थन कर रही है. आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) भी इस सीट से चुनाव लड़ रही है. 2024 के लोकसभा चुनाव में फैजाबाद लोकसभा सीट जीतने के बाद अवधेश प्रसाद के सीट खाली करने के बाद उपचुनाव की जरूरत पड़ी थी. सपा जहां इस सीट को बरकरार रखने की कोशिश कर रही है, वहीं भाजपा इस चुनाव को फैजाबाद में अपनी हार का बदला लेने के अवसर के रूप में देख रही है. 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मिल्कीपुर अयोध्या जिले की एकमात्र विधानसभा सीट थी, जहां भाजपा हारी थी.

यूपी-बिहार सहित कई राज्यों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का अलर्ट

गाजियाबाद. भारतीय मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में बारिश की संभावना कम रहेगी, लेकिन कोहरे का लेवल बढ़ सकता है। देश के कुछ राज्यों में घना कोहरा बना हुआ है जबकि कई इलाकों में आंधी-तूफान की संभावना भी जताई गई है। उधर पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का दौर जारी है। मौसम कार्यालय ने कहा कि दिल्ली में अगले कुछ दिनों में आसमान साफ रहने की संभावना है और सुबह के समय उत्तर-पश्चिम से सतही हवा चलने का अनुमान है, जिससे सुबह और शाम के समय ठंड का एहसास होगा। मौसम विभाग ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, शामली, मेरठ, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद, नोएडा, बागपत, बुलंदशहर, आगरा और बरेली समेत कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का अलर्ट जारी किया है।

दलितों की सत्ता संरचना में भागीदारी नहीं : राहुल गांधी

पटना.

स्वतंत्रता सेनानी जगलाल चौधरी की 130 वीं जयंती पर "आजादी के परवाने" कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शिरकत की। इस दौरान उन्होंने बीजेपी और आरएसएस पर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि हमारी लड़ाई विचारधारा की लड़ाई है। जो आपके दिल मे था वो अम्बेडकर जी और जगलाल जी बोलते थे। आज हिंदुस्तान का जो पावर स्ट्रक्चर है या जो संस्थाएं हैं इसमे आपकी भागीदारी कितनी है? दलितों को रिप्रेजेन्टेशन मिला ये सही है लेकिन पावर स्ट्रक्चर में शामिल हुए बिना रिप्रेजेन्टेशन का कोई मतलब ही नहीं है।

मंत्री तो ये लोग बना देते हैं...

आज भारत के पॉवर स्ट्रक्चर- शिक्षा, स्वास्थ्य, कार्पोरेट या ज्यूडिशरी में दलित वर्ग की कितनी भागीदारी है? बीजेपी रिप्रेजेंटेशन की बात करती है, लेकिन भागीदारी के बिना रिप्रेजेंटेशन का कोई मतलब नहीं है। ये बिलकुल ऐसा ही है- जैसे मैंने आपके बीच में से पांच लोगों को स्टेज पर बैठा दिया, लेकिन उनके फैसले कहीं और से लिए जा रहे हैं। ऐसे में उन्हें स्टेज पर बैठाने का कोई मतलब नहीं है। केंद्र सरकार में भी यही हो रहा है- आप लोगों को मंत्री बना देते हैं, लेकिन ओएसडी तो आरएसएस का होता है।

दलितों और वंचितों की उपेक्षा का लगाया आरोप

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पटना में कहा है कि भारत के वर्तमान सत्ता तंत्र और संस्थाओं में दलितों और वंचितों की कोई भागीदारी नहीं है। दलितों, अल्पसंख्यकों, समाज के कमजोर वर्गों की सटीक संख्या पता लगाने के लिए पूरे भारत में जाति आधारित जनगणना की आवश्यकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा, आरएसएस संविधान के खिलाफ हैं क्योंकि संविधान दलितों और समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों की गारंटी देता है। इससे धारणा बनी कि गोरे छात्र पढ़ने में बहुत अच्छे और होशियार हैं और अफ्रीकन-अमेरिकन छात्र पढ़ाई में कमजोर हैं। ऐसे में एक प्रोफेसर ने प्रयोग किया और उसने एग्जाम के क्वेश्चन पेपर अफ्रीकन-अमेरिकन प्रोफेसर से तैयार करवा दिए।

5 करोड़ से 6 करोड़ पाने के लालच में बैंक मैनेजर ने निकाले पैसे

भंडारा.

महाराष्ट्र के भंडारा जिले में उस समय सनसनी मच गई जब बैंकिंग चैनल के करोड़ों रुपये के लेनदेन की कोशिश कर रहे एक गिरोह को पुलिस ने रंग हाथों पकड़ लिया।

गुप्त सूचना के आधार पर भंडारा लोकल क्राइम ब्रांच की टीम ने मंगलवार देर रात को छापेमारी पर आरोपी के पास से पास 5 करोड़ रुपये नगद जब्त किए। इस दौरान पुलिस ने बैंक के मैनेजर समेत 9 लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एक करोड़ रुपये का कमीशन पाने के लिए उक्त रकम की बैंक से अनधिकृत रूप से निकासी की गई थी। बैंक के मैनेजर ने 5 करोड़ से 6 करोड़ पाने के लालच में ये काम किया। पूछताछ में बैंक मैनेजर गौरी शंकर बावनकुले ने चौंकाने वाले खुलासा किया। मैनेजर ने बताया कि उसने खुद लॉकर से पैसे निकालकर एक बैग में भरे और फिर उसे राजकमल प्रेस दुकान में ले गया। बैंक मैनेजर होने के बावजूद उसने सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया और बेनामी आरटीजीएस के जरिए इस रकम को बैंक में दिखाने की योजना बनाई।

डिप्टी डायरेक्टर के घर मिला नोटों का 'पहाड़

> 1.50 करोड़ नकद बरामद

मलकानगिरीः

ओडिशा विजिलेंस ने मलकानगिरी जिले में जलग्रहण परियोजना के डिप्टी डायरेक्टर एवं पीडी शंतनु महापात्र के घर पर छापा मारा। इस छापेमारी में अब तक ₹1.50 करोड़ नकद जब्त किए गए, जो ज्यादातर ₹500 के नोटों में थे। विजिलेंस को शक था कि शंतनु महापात्र के पास उनकी आय से अधिक संपत्ति है। इसी आधार पर विजिलेंस के विशेष न्यायाधीश, जयपुर से सर्च वारंट लेकर उनके ठिकानों पर छापेमारी की गई।

विजिलेंस टीम ने की सात स्थानों पर छापेमारी

विजिलेंस टीम ने सात स्थानों पर छापेमारी की, जिनमें जयपुर में शांतनु महापात्र का तीन मंजिला घर, मलकानगिरी में सहायक कृषि अभियंता मोहन मंडल का घर, मलकानगिरी में डाटा एंट्री ऑपरेटर बिस्वजीत मंडल का घर, मलकानगिरी में अनुबंधित कर्मचारी अमियाकांत साहू का घर, मलकानगिरी में महापात्र का ऑफिस, कट्टक के बलिसाही, नुआपाड़ा में उनके पैतृक घर और भुवनेश्वर के भीमटांगी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में उनके रिश्तेदार का घर शामिल हैं।

इस बड़े ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए 2 एडिशनल एसपी, 4 डीएसपी, 10 इंस्पेक्टर, 6 एएसआई शामिल थे। विजिलेंस अधिकारियों ने छापे के दौरान दस्तावेजों की भी जांच की, जिससे और जानकारी सामने आ सकती है। विजिलेंस की टीम जब्त किए गए कैश और दस्तावेजों की गहराई से जांच कर रही है।

अधिकारियों ने दी ये जानकारी

अधिकारियों ने बताया कि सर्तकता विभाग ने आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में वाटरशेड, मलकानगिरि के उप निदेशक शांतनु महापात्र के घर पर छापा मारा। विभाग ने बताया कि ओडिशा सतर्कता विभाग की यह कार्रवाई दो सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी), चार पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी), दस निरीक्षक, छह सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) और अन्य सहयोगी स्टाफ की एक विशेष टीम द्वारा की जा रही है। यह तलाशी विशेष न्यायाधीश सतर्कता, जयपुर द्वारा जारी तलाशी वारंट के आधार पर की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि यह छापेमारी मलकानगिरि, कटक और भुवनेश्वर समेत कुल सात स्थानों पर जारी है। महापात्रा से जुड़े लोगों के घरों की भी तलाशी ली जा रही है।

डिपोर्ट किए गए लोगों को लेकर अमृतसर पहुंचा विमान

अमृतसर.

अमेरिका से भारत डिपोर्ट किए गए 104 लोगों को लेकर एक अमेरिकी विमान पंजाब के अमृतसर में उतरा। इनमें से ज्यादातर लोग गुजरात, पंजाब और हरियाणा के रहने वाले हैं। अमेरिका से डिपोर्ट किए गए भारतीयों को लेकर अमेरिकन सेना का विमान दोपहर करीब एक बजे अमृतसर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड होगा। अभी तक इस विमान में 104 भारतीयों के होने की पुष्टि हुई है। जानकारी के अनुसार, गुजरात के 33, पंजाब के 30, यूपी के तीन, हरियाणा के 33, चंडीगढ़ के दो और महाराष्ट्र के तीन लोग विमान में सवार हैं।

* कड़ी की गई सुरक्षा-व्यवस्था

अमृतसर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एविएशन क्लब की और जाने वाले रास्ते पर अमृतसर पुलिस ने बैरेकेडिंग कर दी है और सुरक्षा बढ़ा दी है। बताया जा रहा है कि अमेरिका से डिपोर्ट करके लाए जा रहे भारतीयों को पहले एविएशन क्लब में लाया जाएगा जहां पर उनका पूरा बैकग्राउंड चेक किया जाएगा और उनका पूरा क्रिमिनल रिकॉर्ड और इमीग्रेशन रिकॉर्ड चेक करने के बाद ही उन्हें जाने की अनुमति दी जाएगी। जिन राज्यों से ये डिपोर्ट किए गए लोग संबंधित हैं वहां की स्टेट अथॉरिटीज को भी उनके आने को लेकर जानकारी दे दी गई है। मीडिया को जाने की अनुमति नहीं है।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने मंगलवार को बताया कि राज्य सरकार प्रवासियों की अगवानी करेगी और हवाई अड्डे पर काउंटर स्थापित करेगी। पंजाब के अनिवासी भारतीय (एनआरआई) मामलों के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने मंगलवार को अमेरिकी सरकार के फैसले पर निराशा व्यक्त की और कहा कि इन लोगों को निर्वासित करने के बजाय स्थायी निवास प्रदान किया जाना चाहिए था जिन्होंने उस देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दिया है।

उन्होंने कहा कि कई भारतीय 'वर्क परमिट' पर अमेरिका में प्रवेश करते हैं और वह बाद जब इसकी अवधि समाप्त हो जाती है तो वे अवैध प्रवासी बन जाते हैं।

मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने जताई चिंता

मंत्री ने कहा कि अमेरिका में रहने वाले पंजाबियों की चिंताओं और हितों पर चर्चा करने के लिए उनका अगले सप्ताह विदेश मंत्री एस जयशंकर से मिलने की योजना है। धालीवाल ने पंजाबियों से अवैध तरीकों से विदेश यात्रा न करने की भी अपील की थी और दुनिया भर में अवसरों का लाभ उठाने के लिए कौशल और शिक्षा प्राप्त करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने लोगों को विदेश यात्रा करने से पहले कानूनी तरीकों की जानकारी प्राप्त करने, शिक्षा और भाषा कौशल हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया।

बेस्पोक एआई विंडफ्री एयर कंडीशनर्स की सीरीज लॉन्च

गुरुग्राम. सैमसंग, भारत के प्रमुख उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने अपनी नई बेस्पोक एआई विंडफ्री एयर कंडीशनर्स की सीरीज लॉन्च की। यह सीरीज अत्याधुनिक एआई तकनीक और प्रीमियम डिजाइन का बेहतरीन मेल है। 19 मॉडलों की यह रेंज भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई है, जो न केवल भीषण गर्मियों का समाधान प्रदान करती है, बल्कि आराम, सुविधा और ऊर्जा दक्षता का वादा भी करती है। यह सीरीज एआई-संचालित इनोवेशंस के साथ बदलते मौसम के हिसाब से खुद को ढालने में सक्षम है। विंडफ्री कूलिंग तकनीक कमरे में ठंडी हवा को सीधे शरीर पर पड़ने से रोकते हुए 23,000 माइक्रो होल्स के जरिए धीरे-धीरे हवा फैलाती है। इसके एआई फास्ट और कम्फर्ट कूलिंग फीचर से कमरा तेजी से ठंडा होता है और फिर बिजली बचाने के लिए ऊर्जा-कुशल सेटिंग्स पर शिफ्ट हो जाता है। आधुनिक जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए इस सीरीज में स्मार्टथिंग्स कनेक्टिविटी का उपयोग किया गया है। इसमें रिमोट निगरानी के लिए मैप व्यू और सहज नियंत्रण के लिए क्विक रिमोट जैसे उन्नत फीचर्स शामिल हैं। सैमसंग की यह नई रेंज उपभोक्ताओं को न सिर्फ आरामदायक ठंडक प्रदान करती है, बल्कि बिजली बचत और स्मार्ट तकनीक के साथ एक बेहतर अनुभव का भी वादा करती है। घर से काम करने वाली पीढ़ी के लिए सैमसंग का बेस्पोक एआई विंडफ्री एसी न सिर्फ कूलिंग में बेहतरी लाता है, बल्कि इसे और भी स्मार्ट बनाता है। ये एयर कंडीशनर सैमसंग के स्मार्टथिंग्स ऐप के साथ वाई-फाई के जरिए आसानी से जुड़ सकते हैं। आप बिक्सबी वॉयस असिस्टेंट, एलेक्सा या गूगल होम का उपयोग करके इसे चालू/बंद कर सकते हैं या इसकी सेटिंग्स बदल सकते हैं। एआई ऑटो कूलिंग फीचर के जरिए कूलिंग को अपनी जरूरत के हिसाब से अनुकूलित किया जा सकता है। इसके अलावा, जियो-फेंसिंग आधारित वेलकम कूलिंग फीचर कमरे को ऑटोमेटिक रूप से ठंडा कर देता है, ताकि जब आप घर पहुंचें, तो पहले से ठंडक का अनुभव कर सकें। नए 'गुड स्लीप' मोड के साथ ये एसी नींद के हर चरण के मुताबिक तापमान को एडजस्ट कर पूरे रात बेहतर और सुकून भरी नींद सुनिश्चित करता है।

शिक्षा में एचडीएफसी बैंक के 'परिवर्तन' का योगदान

नागपुर. भारत की सबसे बड़ी निजी बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएसआर कार्यक्रम 'परिवर्तन' के माध्यम से महाराष्ट्र के 65.2 लाख से अधिक लोगों का जीवन स्तर सुधारने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह कार्यक्रम राज्य के 31 जिलों में प्रभावी रूप से चलाया जा रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से ग्रामीण विकास, शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, और रोजगार वृद्धि पर ध्यान केंद्रित किया गया है। एचडीएफसी बैंक ने बदलाव के लिए छह प्रमुख क्षेत्रों ग्रामीण विकास, शिक्षा का प्रचार, कौशल प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, आर्थिक साक्षरता, और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया है। बैंक ने सौर लाइट्स की स्थापना, किसानों को प्रशिक्षण, जल संरक्षण परियोजनाओं, और स्कूलों की बुनियादी ढांचे की सहायता जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से लाखों लोगों को लाभ पहुँचाया है। महाराष्ट्र के दुष्काळग्रस्त क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए एचडीएफसी बैंक ने जलवर्धन और मिट्टी संरक्षण जैसी योजनाओं का कार्यान्वयन किया है। इसके अलावा, गांवों में सौर ऊर्जा आधारित लाइट्स और जलसंधारण प्रणालियों के माध्यम से ग्रामीण विकास को बढ़ावा दिया गया है।एचडीएफसी बैंक परिवर्तन का उद्देश्य सामाजिक और पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करना है, और बैंक अपने कार्यों के माध्यम से समग्र सामाजिक बदलाव लाने की दिशा में लगातार प्रतिबद्ध है। एचडीएफसी बैंक की सीएसआर प्रमुख नुसरत पठान और क्षेत्रीय बैंकिंग प्रमुख तरुण चौधरी ने इस पहल को देश के समग्र विकास में अहम भूमिका निभाने के रूप में रेखांकित किया।

सेबी ने एल्गो ट्रेडिंग की शुरुआत की

नई दिल्ली. भारत में अब खुदरा निवेशकों के लिए एल्गो ट्रेडिंग का रास्ता खोल दिया गया है. पहले यह सुविधा केवल बड़े निवेशकों और संस्थाओं को ही मिलती थी. लेकिन अब सेबी ने खुदरा निवेशकों को भी इस सुविधा का लाभ उठाने की अनुमति दे दी है. इससे अब छोटे निवेशक भी तेजी से और आसानी से शेयर बाजार में ट्रेडिंग कर सकेंगे. एल्गो ट्रेडिंग का मतलब है कि कंप्यूटर प्रोग्राम के जरिए शेयरों की खरीद और बिक्री की जाती है. इसमें कुछ खास नियम और शर्तें पहले से तय की जाती हैं. जब वे शर्तें पूरी होती हैं तो कंप्यूटर प्रोग्राम ऑर्डर को बहुत तेजी से एक्सेक्यूटे कर देता है. इससे ट्रेडिंग बहुत तेज होती है. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक नया नियम बनाया है. इससे अब खुदरा निवेशक भी एल्गो ट्रेडिंग का हिस्सा बन सकते हैं. यह सुविधा 1 अगस्त 2025 से शुरू होगी. इससे निवेशकों को फायदे होंगे. इसका मतलब है कि शेयरों को खरीदने और बेचने में आसानी होगी और निवेशकों को जल्दी मुनाफा होगा. सेबी ने इस एल्गो ट्रेडिंग को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए एक नियामकीय ढांचा तैयार किया है. इस ढांचे के तहत कुछ नियम हैं सभी निवेशकों और ब्रोकरों को पालन करना होगा. इन नियमों से निवेशकों के हितों की सुरक्षा की जाएगी. एल्गो ट्रेडिंग केवल पंजीकृत ब्रोकर के जरिए किया जा सकेगा. इसका मतलब है कि निवेशक केवल उन्हीं ब्रोकरों से यह सुविधा ले सकते हैं जो सेबी से पंजीकृत हों. हर एल्गो ऑर्डर को शेयर बाजार द्वारा एक विशिष्ट पहचानकर्ता दिया जाएगा. इससे यह सुनिश्चित होगा कि हर ट्रेड को ट्रैक किया जा सके.

ब्रोकर को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे एल्गो ऑर्डर और सामान्य ऑर्डर के बीच अंतर समझते हैं. इसके साथ ही ब्रोकर को यह भी देखना होगा कि वे एल्गो ट्रेडिंग की सभी शर्तों और नियमों का पालन कर रहे हैं. एल्गो ऑर्डर देने वाले को भी शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना पड़ेगा. इसके अलावा अगर किसी तरह का उल्लंघन होता है तो ब्रोकर जिम्मेदार होंगे.

फुटवियर-खिलौने सेक्टर में 22 लाख नए रोजगार

इंडियन पोस्टल बैंक से कनेक्टिविटी

नई दिल्ली.

करीब 22 लाख नए रोजगार

❑ अगर फुटवियर और खिलौना सेक्टर की बात करें तो खिलौने का नेशनल हब बनाने की कोशिश की जा रही है. हमारे जूते या तो विदेशों से बनकर के आते हैं या फिर भारत में ही विदेशी कंपनियां बना रही हैं. अब कोशिश ये है कि फुटवियर मिशन बनाकर जूतों का भी निर्माण किया जा रहा है. इससे खिलौने और जूतों के सेक्टर को मिलकर अलग-अलग तरीके के करीब 22 लाख नए रोजगार पैदा होंगे.

बजट 2025 को लेकर लोगों को इस बार बहुत उम्मीद थी. ऐसे में जरूर ये बात सही है कि निर्मला सीतारमण के अब तक के जितने भी बजट रहे हैं, उनसे इस बार का बजट कहीं ज्यादा बेहतर रहा. इसमें खास कर वेतनभोगियों, एमएसएमई का जहां एक तरफ खास खयाल रखा गया, वहीं मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के ग्रोथ के लिए भी सोचा गया है.

लोगों को इनकम टैक्स में सीधी राहत मिली है. इससे पहले के बजट में सात लाख तक की आय में राहत थी, इससे भी पहले चार से तीन लाख तक का बेस होता था और 7 लाख तक की इनकम होती थी उसपर टैक्स नहीं लगता था. पहले लोगों को 7 लाख तक की कमाई पर आयकर में छूट थी, जिसकी सीमा अब बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दी गई है. इसके अलावा 17 हजार स्टैंडर्ड डिडक्शन है, यानी 12 लाख 75 हजार पर कोई टैक्स नहीं देना है. ये अर्थव्यवस्था के समग्र विकास के लिए बेहतर रहेगा, क्योंकि इससे लोगों की क्रयशक्ति बढ़ेगी और पूरे बाजार में इससे अच्छा संकेत जाएगा. साथ ही, कृषि क्षेत्र पर काफी दबाव बना हुआ है. ऐसे में जिस तरह से किसान क्रेडिट कार्ड पर अभी तक 3 लाख तक का लोन मिलता था, उसे अब बढ़ाकर 5 लाख रुपये तक कर दिया गया, ये किसानों के लिए बड़ी राहत है.

इसके अलावा, कृषि विजन में किसानों की आय बढ़ाने के साथ लोगों को ज्यादा से ज्यादा फायदा करने के लिए एक इनोवेटिव काम किया गया है. जबकि, भारतीय डाक विभाग के पास कुरियर बढ़ने की वजह से जो काम कम हुआ है, ऐसे में किसानों के लिए लास्ट माइल कनेक्टिविटी किया गया है, इंडियन पोस्टल बैंक और इसके पूरे विभाग का, तो ऐसे में गांव-गांव तक कनेक्टिविटी का काम इंडिया पोस्टल बैंक करेगी. बजट में 60 हजार करोड़ के एलान से खाद्य प्रसंस्करण और खाद्य निर्यात क्षेत्र को फायदा मिलेगा, खाद्य निर्यात को बढ़ाने के लिए अब पूरा ध्यान दिया जाएगा. इसके अलावा, खाद्य तेल, दलहन और कपास की खेती और उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है,. जो पांच या छह साल का मिशन है. इससे खेती में किसानों को फायदा होने की उम्मीद है.

सोने ने तोड़ दिये सारे रिकॉर्ड

नई दिल्ली.

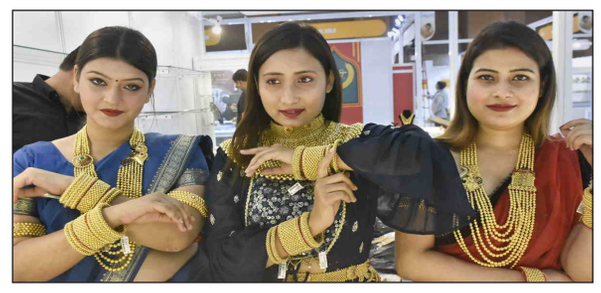

सोने की कीमतें बुधवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर एक नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं. अप्रैल वायदा सोना 84,399 रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है, जो कि पिछले सभी रिकॉर्ड्स को तोड़ता है. यह तेजी न केवल निवेशकों के लिए चिंता का विषय है, बल्कि आम लोगों के लिए भी सोने की खरीदारी को महंगा बना रही है. दुनियाभर में जारी आर्थिक और राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण सोने-चांदी की कीमतों में लगातार तेजी देखी जा रही है. निवेशक सुरक्षित निवेश की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे इनकी कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं. बुधवार को एमसीक्स पर अप्रैल वायदा सोना 84,399 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया. दोपहर 12 बजे तक यह 510 रुपये (0.61 फीसदी) बढ़कर 84,307 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था. पिछले सत्र में यह 83,797 रुपये पर बंद हुआ था और आज 84,060 रुपये पर खुला. सोने की तरह चांदी की कीमतों में भी तेजी देखने को मिल रही है. मार्च वायदा चांदी 306 रुपये से बढ़कर 96,015 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई. इस हफ्ते अब तक सोना 1,800 प्रति 10 ग्राम और चांदी 1,400 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हो चुकी है. मंगलवार को भी सोना-चांदी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती के साथ बंद हुए. चीन और अमेरिका के बीच चल रही टैरिफ वॉर ने बाजार में अस्थिरता पैदा कर दी है. ट्रंप ने हाल ही में चीन से आयातित सामानों पर टैरिफ बढ़ाने की घोषणा की, जिससे चीन ने भी जवाबी कार्रवाई की. इस स्थिति ने निवेशकों को सोने की ओर आकर्षित किया है, क्योंकि वे इसे एक सुरक्षित संपत्ति मानते हैं. जैसे-जैसे व्यापारिक तनाव बढ़ता जा रहा है, सोने की मांग भी बढ़ती जा रही है, जिससे इसकी कीमतों में तेजी आ रही है.

50 देशों की जीडीपी से ज्यादा मुंबई का बजट

मुंबई. देश के सबसे बड़े शहरों में शुमार मुंबई को चलाने के लिए सालाना बजट पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है. मंगलवार को बीएमसी ने बजट पेश करते हुए पास कर दिया. बीएमसी का बजट 74,427 करोड़ रुपए यानी करीब 8.50 बिलियन डॉलर है. इतना बजट देश के कई राज्यों का ही नहीं है. खास बात तो ये है कि दुनिया के करीब 50 देश ऐसे हैं, जिनकी जीडीपी 8.50 बिलियन डॉलर भी नहीं है. जिसमें मॉन्टेंगरो, मालदीव, बारबडोस, भूटान जांबिया आदि देश हैं जिनकी जीडीपी मुंबई के सालाना बजट से भी देखने को मिल रही है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर मुंबई के बजट में किस तरह की चीजें हैं और दुनिया के वो कौन-कौन से देश हैं, जिनकी जीडीपी बीएमसी के बजट से कम है. देश में सबसे अमीर नगर निगम बीएमसी ने मंगलवार को वर्ष 2025-26 के लिए 74,427 करोड़ रुपए का बजट पेश किया. 7 मार्च, 2022 को नगरसेवकों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद से सिविक बॉडी एडमिनिस्ट्रेटर के अधीन है.

बीएमसी कमिश्नर भूषण गगरानी के मुताबिक, यह बीएमसी द्वारा पेश किया गया अब तक का सबसे बड़ा बजट है. बजट में पिछले साल के मुकाबले रेवेन्यू में 7,410 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी देखी गई. 43,166 करोड़ रुपए का कैपेक्स के लिए है, जो कुल बजट का 58 फीसदी है. जिन एजेंसियों को सड़कें खोदने का काम सौंपा गया है, उनके अनुसार, मुंबई आईआईटी शहर में कंक्रीटीकरण गतिविधियों का अवलोकन करेगा. मानसून के दौरान रुकावट से बचने के लिए इसे 31 मई, 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा. बजट का 10 फीसदी हेल्थ सर्विसेज पर खर्च करने का लक्ष्य रखा गया है. बीएमसी आरोग्य सेवा एपली दारी योजना के तहत पूरे मुंबई में घर-घर स्वास्थ्य जांच शुरू करने की योजना बना रही है. खास बात तो ये है कि बीएमसी का बजट जितना है, उतना तो दुनिया के कई देशों की जीडीपी तक नहीं है. भूटान की कुल जीडीपी 3 बिलियन डॉलर से कुछ ज्यादा ही है. जबकि फिजी की कुल देशों की जीडीपी 5.8 बिलियन डॉलर है. अगर बात मालदीव की करें तो देश की कुल जीडीपी 7.1 बिलियन डॉलर की देखने को मिल रही है. बारबडोज की कुल जीडीपी 6.8 बिलियन डॉलर है. मॉन्टेंगरो जैसे देश की बात करें तो मौजूदा समय में उसकी जीडीपी भी 8 बिलियन डॉलर ही है, जोकि बीएमसी के 8.5 बिलियन डॉलर से कम है. इसी तरह से दुनिया में करीब 50 देश ऐसे हैं, जिनकी जीडीपी मौजूदा समय में मुंबई के बजट से कम है.

जीवनरक्षक दवाओं पर मिली आयात शुल्क से छूट

नई दिल्ली. बीते शनिवार को ही केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 पेश किया था। इसमें जीवन रक्षक दवाओं और दुर्लभ बीमारियों की दवाओं पर आयात शुल्क में छूट की घोषणा की गई थी। लेकिन मरीजों के रिश्तेदारों और हेल्थ सेक्टर में काम करने वालों का कहना है कि बजट के इस प्रावधान से ज़्यादातर मरीजों को फ़ायदा नहीं होगा। फायदा नहीं होने की वजह पेटेंट का एकाधिकार है। पेटेंट की वजह से जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति रुकी हुई है, जिससे दवाओं के दाम ऊंचे ही रहेंगे। हमारे सहयोगी से बातचीत में उन्होंने बताया इन एकाधिकारों के दुरुपयोग को रोकने के लिए तुरंत कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारतीय दवा निर्माताओं को जेनेरिक दवाओं का उत्पादन करने की अनुमति दी जाए। इससे दवाओं की कीमतें 99% से भी ज़्यादा कम हो सकती हैं। साथ ही, देश में पहले से उपलब्ध दवाओं पर वस्तु एवं सेवा कर में छूट की अपनी मांग को भी उन्होंने दोहराया। हेल्थ एक्टिविस्ट का कहना है कि जिन दवाओं पर आयात शुल्क में छूट दी गई है, वे ज़्यादातर देश में उपलब्ध नहीं हैं। ये दवाएं पेटेंट एकाधिकार के अधीन हैं। इसलिए कस्टम ड्यूटी में छूट देने से भी ये दवाएं मरीजों के लिए सस्ती नहीं हो पाएंगी। पब्लिक हेल्थ, फार्मा और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी की विशेषज्ञ वकील और कंसलटेंट लीना मेनघाने ने बताया, "कुछ बेहद महंगी कैंसर और दुर्लभ बीमारियों की दवाओं पर सीमा शुल्क में छूट का स्वागत है.

शॉपिंग में छोटे शहर वाले आगे

नई दिल्ली.

आमतौर पर लोग समझते हैं कि लग्जरी या महंगे सामानों की खरीदारी में महानगरों या बड़े शहरों वाले ही आगे होंगे। लेकिन सच्चाई यह है कि भारत के छोटे शहरों में लग्जरी सामानों की खरीदारी बढ़ रही है। ई-कॉमर्स की बढ़ती पहुंच ने लग्जरी सामानों को सभी के लिए उपलब्ध करा दिया है।

तभी तो अभी गुजरात के छोटे से शहर बोटाद और पश्चिम बंगाल का आसनसोल लग्जरी जूते, घड़ियां, कपड़े और एसेसरीज़ की खरीद में मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों से आगे पहुंच रहे हैं। इसका खुलासा टाटा क्लिक लग्जरी की एक रिपोर्ट से हुआ है। पहले लग्जरी सामान सिर्फ़ अमीर लोग ही खरीद पाते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है, "लग्जरी अब सिर्फ़ उच्च नेट वर्थ वाले व्यक्तियों तक सीमित नहीं है।

टियर-2 और 3 शहरों के ग्राहक और महानगरों के भीतर नए इलाकों के लोग इस उद्योग में एक बड़ा बदलाव ला रहे हैं।" दरअसल, अमीर लोगों के साथ-साथ 'हेनरी'ग्राहक भी लग्जरी सामानों की मांग बढ़ा रहे हैं। ये वो लोग हैं जो अच्छी कमाई करते हैं, लेकिन अभी बहुत अमीर नहीं हैं। ये लग्जरी अनुभवों और सामानों की तलाश में रहते हैं। टाटा क्लिक लग्जरी के सीईओ गोपाल अस्थाना कहते हैं, "यह वर्ग कामकाजी आबादी है जो अच्छी कमाई कर रही है और सक्रिय रूप से लग्जरी अनुभवों और वस्तुओं की तलाश में है।"

टाटा क्लिक लग्जरी की बिक्री का हिसाब देखिए तो इसकी 55 फीसदी बिक्री पंचकुला और मैसूर जैसे गैर-महानगरीय शहरों से होती है। अस्थाना बताते हैं, "इन ग्राहकों ने ब्यूटी, एसेसरीज़, कपड़े और जूतों की बिक्री में बड़ी उछाल ला दिया है, और उनके ऑर्डर का मूल्य महानगरीय ग्राहकों के बराबर है।" इंडस्ट्री एक्सपर्ट का कहना है कि पहले लग्जरी सामान खरीदने वाले पुराने पैसे वाले अमीर या इंस्टीच्यूशंस ही होते थे। लेकिन अब छोटे शहरों के बिजनेस हेड जैसे लोग भी लग्जरी सामान खरीद रहे हैं। ग्राहक वर्ग बदल गया है। बुल्गारी जैसे ग्लोबल लग्जरी ब्रांड छोटे शहरों के ग्राहकों तक पहुंचने के लिए भारत में ऑनलाइन हो गए हैं। शॉपिंग मॉल की सीमित संख्या के कारण लग्जरी ब्रांड्स की भौतिक पहुंच सीमित है। अजियो लक्स जैसे ऑनलाइन लग्जरी प्लेटफॉर्म के आने से ब्रांड्स अपने दायरे का विस्तार कर पा रहे हैं।

उत्पादन लागत में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योगों पर असर

नई दिल्ली. बजट के बाद आरबीआई एमपीसी की मौजूदा वित्त में आखिरी मीटिंग होने वाली है. आरबीआई एमपीसी के सामने सिर्फ देश के आम लोगों की लोन ईएमआई कम करने का मुद्दा ही सामने नहीं होगा. बल्कि रुपए में बड़ी गिरावट और इंपोर्टेड महंगाई भी आरबीआई के सामने बड़ी समस्या होगी. सोमवार को डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए में बड़ी गिरावट देखने को मिली थी. मंगलवार को रुपए में मामूली सुधार तो देखने को मिला लेकिन अभी वह 87 के लेवल के ऊपर बना हुआ है. जोकि भारत की इकोनॉमी के लिए अच्छे संकेत नहीं है. जानकारों का मानना है कि मार्च महीने अंत तक 88.60 के लेवल पर भी जा सकता है. इसका मतलब है कि देश में रुपए गिरावट आरबीआई के लिए बड़ा चैलेंज बना हुआ है. उसकी वजह से इंपोर्टेड महंगाई आरबीआई को कांप्लीमेंट्री गिफ्ट के तौर पर मिलेगा, जो देश की ओवरऑल महंगाई को प्रभावित करेगा. साथ ही देश के इंपोर्ट बिल में इजाफा होगा, जोकि देश की इकोनॉमी के लिए ठीक नहीं है. भले ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने मैक्सिको और कनाडा को 25 फीसदी टैरिफ को एक महीने के लिए टाल दिया हो, लेकिन टैरिफ टेंशन अभी भी कम नहीं हुई हैं. चीन के साथ अमेरिका का ट्रेड वॉर शुरू हो चुका है. डॉलर इंडेक्स 109 से नीचे चला गया है. लेकिन इसका लेवल 110 के काफी करीब आ गया था.

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
निकाल
महाराष्ट्र सह्याद्री
विजयालक्ष्मी विकली लॉटरी
सोडत सायं. 4:30 वाजता
सोडत दर बुधवार • सोडत क्रमांक 06 • तिकिट किं. रु. 15/- • सोडत दिनांक 05/02/2025

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/-	SV-06 : 3604		
सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी			
दुसरे बक्षिस रु. 5000/-	3596	महाराजा असोसिएट्स, इचलकरंजी	
तिसरे बक्षिस रु. 2000/-	1840	2045	2156

चौथे बक्षीस रु. 700/- (सर्व मालिकांसाठी)

1095	2001	2790	3386	4626
1152	2031	2801	3500	4783
1433	2292	2920	3503	5056
1511	2472	3059	4047	5175
1695	2641	3115	4205	5201
1981	2712	3183	4379	5409
1986	2746	3310	4384	5585
1991	2768	3373	4454	5675

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY
महाराष्ट्र सह्याद्री मासिक सोडत
तिकीट किंमत रु.50/-
सोडत दिनांक 11-02-2025
जिंका फक्त 5 अंकावर रु. 22 लाख पहिले सामाईक बक्षिस रु. (रु. 11 लाखाची x 2 बक्षिसे)
दुसरे बक्षिस रु. 2 लाख (रु. 10 हजाराची x 20 बक्षिसे)
सातवे बक्षिस रु. 12 लाख (रु. 150 ची x 8000 बक्षिसे)
छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. • अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. • प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र सह्याद्री महालक्ष्मी विकली लॉटरी
सोडत दिनांक 05/02/2025
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
निकाल
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी
बुध विकली लॉटरी
सोडत संध्या. 4:45 वाजता
सोडत दर बुधवार • सोडत क्रमांक 06 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 05/02/2025

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	1908	0763	1165	4211	2555

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

दुसरे बक्षिस रु. 5000/-	0476					3016				
तिसरे बक्षिस रु. 2000/-	0241		1508		5709		8486 श्री सिद्धि समर्थ एजेंसी, दादर - मुंबई		9994 श्री गणेश एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई	
चौथे बक्षिस रु. 1000/-	0001	1519	1769	3438	4486	5056	6154	7306	8750	9347
पाचवे बक्षिस रु. 500/-	0558	1486	2973	4995	4996	5903	6886	7183	8170	9176

सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

सहावे बक्षिस रु. 300/-										
	0480	1411	2492	3754	4452	5613	6571	7315	8262	9365
	0498	1448	2621	3761	4474	5680	6611	7372	8290	9380
0008	0608	1466	2689	3833	4507	5781	6623	7444	8373	9387
0015	0726	1612	2694	3888	4518	5896	6625	7588	8375	9390
0020	0804	1657	2838	3983	4530	5970	6667	7647	8383	9394
0075	0827	1661	2848	4036	4651	6023	6699	7651	8418	9399
0080	0848	1663	2921	4146	4682	6068	6736	7700	8453	9494
0089	0919	1881	2926	4151	4767	6137	6756	7729	8490	9530
0140	0954	1961	3053	4223	4779	6228	6878	7738	8544	9629
0142	1004	1973	3073	4241	4846	6293	7036	7747	8782	9659
0177	1070	2106	3106	4242	5155	6307	7052	7759	8834	9668
0202	1098	2124	3134	4263	5216	6354	7106	7859	8849	9696
0215	1110	2203	3183	4264	5239	6355	7117	7914	8880	9768
0303	1214	2299	3400	4278	5350	6385	7118	7946	8882	9837
0363	1228	2301	3432	4383	5458	6465	7135	8050	8898	9849
0404	1235	2372	3477	4384	5475	6467	7197	8093	8943	9895
0405	1251	2380	3570	4404	5514	6495	7234	8097	8986	9941
0430	1312	2388	3733	4417	5589	6501	7253	8127	9192	9943
0440	1318	2482	3746	4444	5595	6551	7308	8130	9259	9949

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY
महाराष्ट्र गजराज मासिक सोडत
सोडत दिनांक 25/02/2025
जिंका फक्त 4 अंकावर ₹ 14 लाख पहिले सामाईक बक्षिस रु.
दुसरे बक्षिस ₹ 2.5 लाख (रु. 10 हजाराची 25 बक्षिसे)
तिकीट किंमत ₹20/-
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी बुध विकली लॉटरी
सोडत दिनांक 05/02/2025
छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लाँटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

महाराष्ट्र में सरकार बनाएगी 8 लाख घर

> डिप्टी सीएम शिंदे का ऐलान

ठाणे.

राज्य में लोगों के अपने आशियाने के सपने को अब सरकार पूरा करने जा रही है. उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) अगले पांच सालों में राज्य भर में आठ लाख घरों का निर्माण करेगा. उन्होंने कहा कि इन मकानों के निर्माण के समय इनकी गुणवत्ता का ध्यान रखा जाना चाहिए. शिंदे ने कहा कि हम निरीक्षण के जरिए इनकी गुणवत्ता की जांच करेंगे.

आवास एवं शहरी विकास मंत्री शिंदे ने कोंकण संभाग में 2,147 मकानों और 117 भूखंडों के लिए लॉटरी के अवसर पर यह घोषणा की.

उन्होंने कहा कि म्हाडा की पारदर्शी लॉटरी प्रणाली के कारण लोगों का उसमें भरोसा बढ़ रहा है. वर्तमान लॉटरी में 2,147 घरों के लिए 31,000 से ज्यादा लोगों ने आवेदन किया है. शिंदे ने कहा कि सरकार लोगों के घर के सपने को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है. इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री ने क्लस्टर विकास परियोजनाओं के महत्व पर भी जोर दिया और उन्हें मौजूदा शहरी क्षेत्रों के भीतर सुनियोजित शहर बनाने का प्रयास बताया. उन्होंने बताया कि 9 फरवरी को ठाणे में कई क्लस्टर परियोजनाओं का भूमि पूजन और शिलान्यास किया जाएगा.

शिंदे ने कहा कि पिछले कुछ सालों में म्हाडा घरों के निर्माण गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है. उन्होंने कहा कि राज्य की नई आवास नीति में कपड़ा मिल श्रमिकों और मुंबई के प्रसिद्ध 'डब्बावालों' (टिफिन वाहक) के लिए प्रावधान शामिल होंगे, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि उन्हें किफायती दामों में आवास मिल सकें.

2147 फ्लैट और 117 प्लॉट की नीलामी

ठाणे के डॉ. कोंकण क्षेत्र में म्हाडा के लिए बुधवार को काशीनाथ घनेकर थिएटर में उपमुख्यमंत्री शिंदे ने लॉटरी निकाली. इस बार नीलामी में 2147 फ्लैट और 117 प्लॉट बेचे गए. इस दौरान उन्होंने कहा कि हर किसी का सपना होता है कि उसे अच्छा घर मिले वो भी किफायती दामों पर. म्हाडा इस सपने को पूरा करने के लिए काम कर रहा है. उन्होंने कहा कि हम पिछले ढाई साल से काम कर रहे हैं और रुकी हुई परियोजनाओं को पटरी पर लाने की कोशिश कर रहे हैं. शिंदे ने कहा कि कुछ बाधाएं थीं हमने उन्हें हटा दिया है.

लोकल ट्रेनों में होंगी वंदे भारत जैसी सुविधाएं

मुंबई.

मुंबई की शहर की लाइफलाइन लोकल ट्रेन को कहा जाता है. अब यहां की लोकल ट्रेनों में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आने वाले समय में मुंबई की लोकल ट्रेनों में वेंटिलेशन की सुविधा वंदे भारत की तरह होगी. रेलवे बोर्ड ने 238 वंदे भारत मेट्रो रेक्स को मंजूरी दी है. इसके जरिए सफर करने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी. इसके जरिए ट्रेन की ऑपरेशनल क्षमता में भी कई सुधार होंगे.

यह बदलाव मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट-III और एमयूटीपी-3A के तहत किया जा जाएगा. इस प्रोजेक्ट पर महाराष्ट्र सरकार और रेलवे मंत्रालय दोनों की तरफ से काम किया

जाएगा. रेल मंत्री अश्विणी वैष्णव के मुताबिक, 2025-26 रेल बजट में महाराष्ट्र राज्य के लिए 23,778 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं.

ये रेक्स वंदे भारत एक्सप्रेस की तरह ही डिजाइन किए गए हैं, लेकिन इन्हें शहरी परिवहन को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है. हर एक रेक्स में 8 डिब्बे होंगे. इनमें आधुनिक और जरूरत की सभी सुविधाएं मौजूद होगीं. इन रेक्स में स्वचालित दरवाजे, जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली और आरामदायक सीटिंग व्यवस्था दी गई रहेगी. इस रेक्स की खासियत रहेगी कि ये 160 किमी की दूरी को एक घंटा में पूरा कर सकेंगे. इससे सफर का समय कम होगा और ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जा सकेगी.

सफर के समय में कमी, यात्रियों को ज्यादा से ज्यादा आरामदायक सफर और उनकी भीड़ को मैनेज करने जैसे फायदे इससे मिलेंगे. साथ ही बेहतर लोकल कनेक्टिविटी से आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और डेली सफर करने वाले यात्रियों की सुविधा में सुधार होगा. मुंबई लोकल में आधुनिक रेक्स जोड़ने की मांग लंबे समय से की जा रही थी. यात्रियों को बेहतर सुरक्षा,आरामदायक सीटिंग की भी सुविधा मिलेगी. इस फैसले के बाद यात्रियों में काफी अच्छा रिस्पांस नजर आया.

सांसद उदयनराजे की नाराज़गी भरी प्रतिक्रिया

मुंबई.

सांसद उदयनराजे भोसले ने राहुल सोलापुरकर पर कहा: अभिनेता राहुल सोलापुरकर ने एक पॉडकास्ट में छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में विवादित बयान दिया था। इस बयान के लिए व्यापक आलोचना झेलने के बाद अब राहुल सोलापुरकर ने माफी मांगी है। हालाँकि, राज्य के विभिन्न हिस्सों में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। इसके बाद अब भाजपा सांसद उदयनराजे भोसले ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपना पक्ष रखा है और राहुल सोलापुरकर की कड़ी आलोचना की है। उदयनराजे भोसले ने कहा, "राहुल सोलापुरकर ने बहुत ही विकृत बयान दिया है और उनकी जीभ काट दी जानी चाहिए तथा महापुरुषों को बदनाम करने वालों के खिलाफ राजद्रोह कानून के तहत मुकदमा चलाया जाना चाहिए।" राहुल सोलापुरकर ने एक यूट्यूब चैनल पर पॉडकास्ट में छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में बात करते हुए कहा कि जब महाराज आगरा से गए थे तो वह मिठाई के पटाखे नहीं थे। महाराज यहाँ रिश्वत लेकर आये हैं। इसके लिए कितना दहेज दिया गया, इसका प्रमाण मौजूद है। औरंगजेब के वजीर और उसकी पत्नी को भी रिश्वत दी गई। यहां स्वामी परमानंद के लाइसेंस का निशान भी है, जिन्होंने अंतिम पांच हाथी ले लिए थे। उन्होंने रोचक ढंग से कहानियाँ सुनाईं। "इसीलिए असली इतिहास जनता के सामने नहीं लाया जा रहा है।"

"राहुल सोलापुर जैसे व्यक्ति की जुबान जरूर चली गई होगी।" जो लोग महान व्यक्तियों के बारे में अपमानजनक बयान देते हैं, उन्हें जनता द्वारा पकड़ कर कुचल दिया जाना चाहिए। यदि महापुरुषों के बारे में विकृत बातें करने वालों की संख्या बढ़ गई तो इससे देश की अखंडता को खतरा हो सकता है। जाति और धर्म के बीच पैदा होने वाली दरारें ऐसी ही विकृतियों के कारण होती हैं। इससे पहले भी हमने केंद्र और राज्य सरकारों से मांग की थी कि ऐसे बयान देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन पर कानून के अनुसार देशद्रोह का मुकदमा चलाया जाना चाहिए। इस अवसर पर उदयनराजे ने भी अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा, ''यदि हम छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारों को संरक्षित नहीं करेंगे तो देश का बंटवारा होने में अधिक समय नहीं लगेगा।''

शराब के लिए पैसे न देने पर युवक की हत्या

पिंपरी. शराब के लिए पैसे न देने पर एक युवक की हत्या करने वाले तीन लोगों को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। मारे गए व्यक्ति का नाम भैया गमन राठौड़ (उम्र 33, निवासी पाटिलनगर, चिखली। मूल रूप से जलगांव निवासी) है। इस मामले में सूरज हनुमंत इंगले (उम्र 29), मेहुल कैलाश गायकवाड़ (उम्र 28) और अजय अशोक कांबले (उम्र 24, निवासी पाटिल नगर, चिखली) को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस उपायुक्त संदीप डोईफोड़े द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, भैया की हत्या रविवार को पाटिलनगर चिखली स्थित वन विभाग परिसर में की गई।

इलाके में लगे 50 से 60 सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए। तदनुसार, आरोपियों को चिखली से हिरासत में ले लिया गया। आरोपियों ने शराब के लिए पैसे न मिलने पर हत्या करने की बात कबूल की।

'आपला दवाखाना' से 90 लाख मरीजों को मिला लाभ

मुंबई.

मुंबईकरों को निःशुल्क और घर के निकट स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई 'हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आपला दवाखान्या' को नागरिकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। इसलिए दो वर्षों में विभिन्न भागों में 250 'आपला दवाखाना' शुरू किए गए हैं। अब, मुंबई नगर निगम ने 2025 में 25 और 'आपला दवाखाना' और तीन फिजियोथेरेपी केंद्र खोलने का निर्णय लिया है। इसलिए, यह विश्वास किया जा रहा है कि इन वर्षों में 'हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे अपना दवाखाना' की संख्या 275 तक पहुंच जाएगी और अधिक से अधिक नागरिक इसका लाभ उठाएंगे।

मुंबईकरों को स्वास्थ्य सेवाओं

तक आसान पहुंच प्रदान करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अवधारणा के आधार पर, हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर 17 नवंबर, 2022 को मुंबई में पहला 'हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आपला दवाखाना' लॉन्च किया गया। फिर इसे धीरे-धीरे बढ़ाया गया। पिछले दो वर्षों में मुंबई महानगरपालिका ने 250 'हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आपला दवाखाना' खोले हैं, जिनमें 33 पॉलीक्लिनिक और डायग्नोस्टिक सेंटर शामिल हैं। यह क्लिनिक नागरिकों को निःशुल्क चिकित्सा जांच, दवाइयां और रक्त परीक्षण प्रदान करता है। 'हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आपला दवाखाना' के शुभारंभ के बाद से दिसंबर 2024 तक लगभग 90 लाख मरीज इन विभिन्न सेवाओं से लाभान्वित हुए हैं। पॉलीक्लिनिक और डायग्नोस्टिक सेंटर विभिन्न विशेषज्ञों जैसे कान, नाक और गले के डॉक्टर, दंत चिकित्सक, स्त्री रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, चिकित्सा डॉक्टर, त्वचा विशेषज्ञ और नेत्र रोग विशेषज्ञों की सेवाएं प्रदान करता है। 'हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आपला दवानाखाना' और मुंबई महानगरपालिका के अन्य अस्पतालों में निजी डायग्नोस्टिक केंद्रों के माध्यम से वाउचर प्रणाली के माध्यम से एक्स-रे, मैमोग्राफी, ईसीजी, सीटी स्कैन, एमआरआई जैसी सेवाएं रियायती दरों पर प्रदान की जा रही हैं।

दो ड्रग तस्कर गिरफ्तार, 1.25 लाख रुपये का माल जब्त

मुंबई. शिवाजी नगर पुलिस ने कोडीन नामक मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में दो कैदियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से कोडीन सिरप की 240 बोतलें जब्त की हैं और मामले की आगे की जांच कर रही है। गोवंडी के शिवाजी नगर इलाके में मादक पदार्थों की तस्करी दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है और तस्करी को रोकने के लिए इलाके में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन की एक टीम मंगलवार रात इलाके में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को यहां नारायण डेयरी इलाके में बाइक सवार दो लोगों पर शक हुआ। पुलिस ने उन्हें रुकने की चेतावनी दी। हालांकि, पुलिस को देखकर दोनों भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने तुरंत पीछा कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने जब उनके पास पड़े बोरे की जांच की तो उसमें कोडीन की 240 बोतलें मिलीं।

सर्राफा व्यापारियों ने पुलिस जांच पर उठाए सवाल

कहां गया लूट का बचा हुआ 600 ग्राम सोना?

वसई.

मयंक ज्वेलर्स में हुई डकैती की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है, लेकिन ज्वेलर्स के मालिक ने पुलिस जांच पर संदेह जताया है। जहां 950 ग्राम सोना चोरी हुआ था, वहीं पुलिस ने केवल 300 ग्राम सोना ही बरामद किया, तो बाकी 600 ग्राम सोना कहां गया? यह प्रश्न जौहरी ने पूछा था। यह भी संदेह व्यक्त किया गया है कि चोरों ने सोने को पिघलाया लेकिन उसमें 20 प्रतिशत की कमी नहीं की।

हालाँकि, मानिकपुर पुलिस ने इन आरोपों से इनकार किया है। 10 जनवरी 2025 को वसई में मयंक ज्वेलर्स की दुकान में डकैती हुई थी। चोरों ने दुकान मालिक महेंद्रसिंह संघवी के साथ मारपीट की और दुकान से सोना लूट लिया। फिरीद सांघवी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि इस डकैती में कुल 950 ग्राम सोना लूटा गया था। मानिकपुर की क्राइम ब्रांच और वालिव पुलिस ने मामले की जांच की और 5 लोगों के एक गिरोह को गिरफ्तार किया। आरोपी ने 47 तोला सोना चोरी करने की बात कबूल की है। उन्होंने सोने को पिघलाया और उसे कर्नाटक के तीन सुनारों को बेच दिया। पुलिस ने सोना जब्त कर लिया है। हालांकि, 950 ग्राम या 95 तोला सोना चोरी हो गया था, लेकिन केवल 293 ग्राम सोना ही बरामद हुआ है, तो बाकी 600 ग्राम सोना कहां गया, मालिक संघवी ने पूछा है।

पुलिस ने बताया कि 47 तोला सोना पिघलाकर 29 तोला कर दिया गया। उस पर भी आपत्ति जताई गई है। जब सोना पिघलाया जाता है तो कमी 2 से 5 प्रतिशत होती है। उन्होंने दावा किया कि इसमें 20 प्रतिशत की कोई कमी नहीं हुई है। इस संबंध में उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर हमारा सोना वापस नहीं किया गया तो वसई स्वर्णकार संघ के माध्यम से विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

सहकारी चुनाव प्राधिकरण को आयोग का दर्जा दिया गया

मुंबई.

राज्य की लाखों सहकारी संस्थाओं के चुनाव स्वतंत्र रूप से कराने के लिए गठित सहकारी चुनाव प्राधिकरण को अब राज्य चुनाव आयोग की तर्ज पर चुनाव आयोग का दर्जा दिया जाएगा।

हालांकि देश के अन्य राज्यों और उच्च न्यायालय के आदेशानुसार प्राधिकरण को आयोग का दर्जा दिया जाएगा, लेकिन इस आयोग को पूर्ण स्वायत्तता देने को लेकर सरकार के भीतर ही मतभेद है। मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि इस संबंध में एक विधेयक विधानमंडल के बजट सत्र में पेश किया जाएगा।

सरकार ने राज्य में सहकारी समितियों के चुनाव कराने के लिए संविधान के 97वें संशोधन के आधार पर 2013 में राज्य में सहकारी चुनाव प्राधिकरण की स्थापना की थी । प्राधिकरण को राज्य में चीनी मिलों, सूत मिलों, जिला केन्द्रीय बैंकों, बाजार समितियों, 250 से अधिक सदस्यों वाली हाउसिंग सोसायटियों सहित एक लाख सहकारी समितियों के चुनाव कराने तथा मतदाता सूचियों के पर्यवेक्षण, निर्देशन एवं नियंत्रण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राज्य सहकारी चुनाव प्राधिकरण एक स्वायत्त, स्वतंत्र और निष्पक्ष प्राधिकरण है। 2015 में उच्च न्यायालय द्वारा इसे स्वायत्तता प्रदान करने के स्पष्ट आदेश के बावजूद, पिछले 10 वर्षों से सरकार के भीतर इस प्राधिकरण को चुनाव आयोग का दर्जा और पूर्ण स्वायत्तता प्रदान करने के लिए दबाव रहा है।मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार ने अब इस प्राधिकरण को चुनाव आयोग का दर्जा देने की दिशा में कदम उठाए हैं। सूत्रों ने बताया कि तदनुसार, महाराष्ट्र सहकारी सोसायटी अधिनियम में संशोधन किया जाएगा और इस संबंध में एक विधेयक विधानमंडल के आगामी बजट सत्र में पेश किया जाएगा। वर्तमान में राज्य में विभिन्न प्रकार के प्राधिकरण हैं, जो या तो सरकार के स्वामित्व में हैं या सरकार के नियंत्रण में काम करते हैं। यद्यपि सहकारी चुनाव प्राधिकरण को स्वायत्त कहा जाता है, परन्तु वास्तविकता यह है कि राज्य सरकार अक्सर चुनावों को स्थगित या निलम्बित करने के लिए सहकारी अधिनियम की धारा 73सी का प्रयोग करती है।

विकास में मुंबई बनेगा नंबर 1 शहर : शिंदे

मुंबई.

राज्य में बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपना बजट पेश किया. देश के सबसे अमीर नगर निकाय माने जाने वाले बीएमसी ने रिकॉर्ड 74,427 करोड़ रुपए का बजट पेश किया. इसपर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि बीएमसी बजट 74 हजार करोड़ से ज्यादा का है. मुंबई को इससे फायदा होगा और विकास बढ़ेगा. उन्होंने कहा बजट की तारीफ करते हुए कहा कि मुंबई डेवलपमेंट में नंबर 1 शहर बनेगा.

शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने कहा कि 7 हजार करोड़ रुपए आमदनी में बढोत्तरी हुई है. भ्रष्टाचार खत्म किया. बीएमसी की ओर से गड्ढों से मुक्त करने के लिए सड़कों का सीमेंटीकरण चल रहा है. उन्होंने कहा कि, 'विपक्ष को कहना है आरोप मत लगाओ. वो तो मुम्बई को सोने के अंडे देंव वाली मुर्गी समझ रहे थे.' इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ने शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत और राज्य में यूसीसी लागू करने पर भी बात की. एकनाथ शिंदे ने यूबीटी राज्यसभा सांसद संजय राउत के जादू टोने पर कहा कि, 'लगता है उनको ज्यादा अनुभव है जादू टोने का'. राउत ने दावा किया था कि वर्षा बंगला महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री का आधिकारिक निवास है. किसी ने वर्षा बंगले में जादू-टोना किया है इसलिए सीएम फडणवीस दोबारा इस बंगले में जाना नहीं चाहते है. वहीं, यूसीसी पर उन्होंने कहा, 'हम अजित दादा और सीएम के साथ बैठकर इन मामले पर चर्चा करेंगे और आगे क्या करना है बात करेंगे.

बीएमसी ने 2025-26 के लिए बजट प्रस्तुत किया

बीएमसी मुख्यालय में अतिरिक्त नगर आयुक्तों ने बजट प्रस्तुत किया. नगर निकाय का कार्यकाल सात मार्च 2022 को समाप्त होने के बाद से यह एक प्रशासक के अधीन है.राज्य द्वारा नियुक्त प्रशासक बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी के समक्ष है. वहीं, दस्तावेज में कहा गया है, 'वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट अनुमान 74427.41 करोड़ रुपए प्रस्तावित है, जो 2024-25 के बजट अनुमान यानी 65180.79 करोड़ रुपए से 14.19 प्रतिशत अधिक है.' यह तीसरा साल है जब बजट प्रशासन के समक्ष पेश किया गया.

मराठी बोलने पर डोंबिवली निवासी के साथ विवाद

डोंबिवली.

डोंबिवली के वरिष्ठ नागरिक रमेश पारखे (82) हर साल की तरह इस साल भी मुंबई के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में डाक विभाग द्वारा आयोजित डाक टिकटों की प्रदर्शनी देखने गए थे। रमेश पारखे इस प्रदर्शनी से कुछ सामग्री खरीदना चाहते थे। इसलिए वह प्रदर्शनी में खिड़की नंबर 32 पर गए और मराठी में पूछा। तभी वहां मौजूद नौकर ने कहा, "आप मुझसे हिन्दी में बात करें।" पारखे ने पूछा, "क्या आप मराठी नहीं जानते?" उस समय क्रोधित नौकर ने पारखे से अपशब्द कहे और कहा, "तुम मेरी शिकायत किसी से भी कर सकते हो।" उन्होंने अहंकारपूर्ण भाषा का प्रयोग करते हुए कहा, "कोई भी मुझे कुछ नहीं करेगा।"चिंतित सेवक ने रमेश पारखे को चेतावनी दी कि आप चाहे कुछ भी कर लें, मैं मराठी में बात नहीं करूंगा। यह सब देखकर रमेश पारखे एक पल के लिए स्तब्ध रह गए। 22 जनवरी से 25 जनवरी तक डाक विभाग ने विश्व व्यापार केंद्र में डाक टिकट प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस विशाल प्रदर्शनी को देखने हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। वे अपनी पसंदीदा टिकटें खरीदते हैं। पारखे ने वहां पूछताछ की क्योंकि वह प्रदर्शनी से कुछ सामग्री खरीदना चाहते थे। फिर उनसे कहा गया कि वे खिड़की नंबर 32 पर जाकर पूछताछ करें। अजनबी लोग उस खिड़की पर आए और सामग्री खरीदने के बारे में मराठी में बात करने लगे। कृपया वहाँ नौकर से हिन्दी में बात करें। "क्या तुम्हें मराठी नहीं आती?" पारखे ने नौकर से पूछा। तब नौकर ने पूछा, "क्या तुम मेरी बात नहीं समझे?"

महाराष्ट्र में रहने वाले ये नौकर मराठी नहीं जानते। इसके विपरीत, हिन्दी बोलने में गर्व की भाषा है। इससे परेशान होकर पारखे ने प्रदर्शनी में शिकायत करने की कोशिश की। चूंकि सभी आयोजक उद्घाटन और प्रदर्शनी में व्यस्त थे, इसलिए किसी ने उनकी शिकायत पर ध्यान नहीं दिया।

आज का राशिफल

मेष - आज का दिन उथल-पुथल से भरपूर दिन रहेगा। अपनी लव लाइफ की हकीकत का सामना करने के लिए तैयार रहें। काम का माहौल प्रोडक्टिव रहेगा।

वृषभ - आज का दिन शानदार रहने वाला है। व्यावसायिक सफलता के साथ सुखी प्रेम जीवन की एक्सपेक्टेशन आप कर सकते हैं।

मिथुन - अच्छे स्वास्थ्य और धन की समृद्धि से भी दिन यादगार रहेगा। व्यावसायिक काम आपको व्यस्त रखेंगे। आपका स्वास्थ्य और धन दोनों अच्छे लेवल पर दिख रहा है।

कर्क - आज का दिन आपके लिए शुभ रहने वाला है। प्रेम जीवन में मनमुटाव को दूर करें और साथ में ज्यादा से ज्यादा समय बिताएं।

सिंह - आज के दिन बॉस के साथ न उलझें। अच्छे स्वास्थ्य के साथ-साथ आर्थिक समृद्धि भी आती है। दिन थोड़ा स्ट्रेसफुल साबित हो सकता है।

कन्या - आपका आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। इसलिए आज आपको खर्चों से बचना चाहिए। आज व्यावसायिक सफलता मिलेगी।

तुला - आज का दिन बदलावों से भरपूर रहेगा। रोमांटिक मुद्दों को थोड़ी सी समझदारी और रोमांस के साथ संभालें। पेशेवर मुद्दों का आज ही सोल्यूशन निकालें।

वृश्चिक - आज आप अपनी लव लाइफ में खुश रहेंगे। आज नए प्यार के कनेक्शन को अपनाने के लिए तैयार रहें। अशांत समय में भी शांत रहने की कोशिश करें।

धनु - आज अपनी योग्यता साबित करने के लिए जिम्मेदारियां सावधानी से निभाने की जरूरत है। बेहद जरूरी डीसीजन आज टाल दें।

मकर - आज पैसे कमाने में कोई प्रॉब्लम नहीं होगी। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। नया कनेक्शन, अतिरिक्त प्रोफेशनल जिम्मेदारियां.

कुंभ - आज का दिन थोड़ी बहुत चुनौतीयां लेकर आएगा। काम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखाएं। लव के मामले में थोड़ा रोमांस दिखाएं।

मीन- आज का दिन पॉजिटिव रहेगा। अपनी योग्यता साबित करने के लिए कार्यस्थल पर अधिक मौकों की तलाश करें।

महाप्रसाद खाकर करीब 350 लोग विष बाधा से पीड़ित

कोल्हापुर. शिरोल तालुका के शिवनाकवाड़ी में तीर्थयात्रा के दौरान महाप्रसाद खाने के बाद लगभग 300 से 350 लोगों के फूड पॉइजनिंग से पीड़ित होने की खबर है। आधी रात से ही गांव के हर घर में दो-तीन लोगों को उल्टी-दस्त होने लगे। बुधवार को इचलकरंजी स्थित इंदिरा गांधी सामान्य अस्पताल में बच्चों, महिलाओं, पुरुषों और बुजुर्गों सहित करीब 100 लोगों का इलाज चल रहा है और उनके लिए एक अलग कमरा बनाया गया है।चूंकि इस घटना से पूरा गांव प्रभावित हुआ है, इसलिए मरीजों को शिवनक्वाडी क्षेत्र सहित इचलकरंजी के कुछ निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अस्पताल और घटनास्थल से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को शिवनाकवाड़ी (शिरोल तालुका) में ग्राम देवता कल्याणताई माता देवी की यात्रा थी। तीर्थयात्रा के उपलक्ष्य में दोपहर में एक भव्य भोज का आयोजन किया गया।

NOTICE INVITING QUOTATIONS

Quotations are invited from reputed supplier/firms for supply of following Improved tool-kits (50 sets) for Handicraft artisans of Embroidered & Crocheted Craft in 50 sets.

Sr. No.	Name of the Tools	Per Set of Tool Kits Qty Required
1	Sewing Machine	1 Piece
2	Embroidery Frame	2 Piece
3	Tracing Paper Sheet	5 Piece
4	Zari/Kasab Needle	2 Piece
5	Pencil	1 Packet
6	Tracing Powder	250 Gm.
7	Steel Scale	1 Piece
8	Measuring Tape	2 Piece
9	Scissor	1 Piece
10	Thread Trimmer	2 Piece
11	Seem Ripper	4 Piece
12	Zari Needle 9-12 No.	1 Pkt.
13	Pattern Cloth	2 Piece
14	Finger Thimble	5 Piece

The intrested parties/firms/suppliers are requested to quote their rates including GST as applicable in sealed envelope. The quotation should reach this office ie. C/o Manoj Khadatkar Secretary/President Ahillyabai Holker Bahuuddeshiya Sanstha, Indraprastha nagar, Waghapur Yavatmal Contact No. 9922122474 on or before 06/02/2025 to 26/02/2025 at 6.00 p.m. by post or Courier.

The Tender will be opened in presence of Committee on 28/02/2025, 12.00 A.M. at Handicrafts Service Centre, CGO Complex, Block-C, Seminary Hills, Nagpur 440006. Quotations received after the last date will not be considered.

Secretary/President
Ahillyabai Holkar Bahuuddeshiya Sanstha, Yavatmal

Maharshi Karve Stree Shikshan Sanstha's
SITABAI NARGUNDKAR COLLEGE OF NURSING FOR WOMEN, NAGPUR
Mouje Sukli (Gupchup) Tal Hingna, Nagpur - 440010 (MH)
www.mkssconw.org I Email : nursing.nagpur@maharshikarve.org
Contact No. 8888241033 | 7507405075

WANTED

Applications are invited in prescribed format, from eligible candidates for following posts.

SN.	POSTS	SUBJECT	NOS OF	CATEGORY
1	VICE PRINCIPAL	Any Subject	01	SC
2	PROFESSOR	1. OBGY 2. Community Health Nursing 3. Child Health Nursing	01 01 01	Open Open Open
3	ASSOCIATE PROFESSOR	1. Child Health Nursing 2. Community Health Nursing	01 01	Open SC
4	ASSISTANT PROFESSOR	1. Community Health Nursing 2. Medical Surgical Nursing 3. Child Health Nursing 4. OBGY	01 01 02 01	VJ-A Open Open-1, VJ-D-1 VJ-A
5	CLINICAL INSTRUCTOR	Nursing	15	Open-3, OBC-2 SC-2, ST-2, EWS-02, VJ-A-01, VJ-B-01, VJD-01, SBC-01

Requisite qualification experience, other details and prescribed application format as pe Maharashtra University of Health Sciences, Nashik norms.

SECRETARY — LAST DATE OF APPLICATION 15 /02/ 2025 — PRINCIPAL

सुविचार

असफलता के बाद भी दूसरा सपना
देखने के हौसले को कहते हैं जिंदगी

संपादकीय

बेहतर की आशा

एजुकेशन टेस्टिंग सर्विसेज की ताजा ह्यूमन प्रोग्रेस रिपोर्ट में जो बात सबसे पहले ध्यान खींचती है, वह है उससे निकले निष्कर्षों का विरोधाभास। रिपोर्ट के मुताबिक जहां भारतीय अपनी शिक्षा व्यवस्था से सबसे ज्यादा उम्मीदें पाले हुए हैं, वहीं इस व्यवस्था की खामियों की ओर उंगली उठाने में भी वे पीछे नहीं दिखते। ये दोनों बातें इस लिहाज से महत्वपूर्ण हैं कि अगर इन पर ध्यान देते हुए कायदे से प्रयास किए गए तो बेहतर भविष्य की राह निकालना बहुत मुश्किल नहीं होगा।

सर्वे के मुताबिक जहां अन्य देशों में मौजूदा शिक्षा व्यवस्था से लोग निराश हैं, वहीं भारत में एकदम उलटी स्थिति है। अन्य देशों में औसतन 30% लोगों ने ही मौजूदा शिक्षा व्यवस्था से उम्मीद जताई, लेकिन भारत में ऐसे लोग 70% हैं। भविष्य में स्थिति सुधरने की गुंजाइश का जहां तक सवाल है तो वैश्विक औसत 64% है, लेकिन भारतीय यहां भी आगे (76%) हैं।

ऐसे में स्वाभाविक ही सवाल उठता है कि क्या ये उम्मीदें हवा-हवाई हैं। क्या सर्वे में शिरकत करने वाले लोगों को भारत में शिक्षा की स्थिति की बिल्कुल जानकारी नहीं है? यहां सर्वे की रिपोर्ट फिर हैरान करती है, क्योंकि पार्टिसिपेंट्स जमीनी हकीकत से अच्छी तरह वाकिफ हैं। तभी तो 84% लोग मानते हैं कि यहां क्वॉलिटी एजुकेशन तक पहुंच बहुत मुश्किल है। यही नहीं, 78% लोग स्वीकारते हैं कि शिक्षा के अवसर कुछ विशेषाधिकार प्राप्त तबकों तक सीमित होते जा रहे हैं और 74% कहते हैं कि शिक्षकों की कमी भारत में शैक्षिक प्रगति की राह में बहुत बड़ी बाधा है।

सर्वे देश में शिक्षा के बदलते लैंडस्केप को समझने में मदद करता है। बावजूद इसके, इन सर्वे की सीमाओं को भी ध्यान में रखते हुए चलना होगा। निश्चित रूप से जब सर्वे रिपोर्ट बताती है कि अन्य देशों के मुकाबले भारतीयों की नजर में हाई क्वॉलिटी एजुकेशनल प्रोग्राम और इंस्टिट्यूशंस की कमी ज्यादा बड़ी बाधा है तो यह आज के दौर की सचाई ही सामने लाती है। लेकिन एक राष्ट्र के तौर पर हमारे सामने कुछ हाई क्वॉलिटी इंस्टिट्यूशंस खड़ा करने से बड़ी चुनौती है देश भर में फैले सामान्य शैक्षिक ढांचे के जरिए मिल रही शिक्षा का स्तर ऊंचा करना।

महाराष्ट्र-झारखंड के बाद आखिर दिल्ली किसकी?

नवनीत गुर्जर

मौसम सर्दियों का है और चुनाव का भी। सर्दियां इस बार हाड़ कंपाने वाली तो नहीं थीं, लेकिन लम्बी जरूर रहीं। चुनाव के भी कुछ यही हाल रहे। पहले जम्मू-कश्मीर और हरियाणा। फिर महाराष्ट्र और झारखंड। ...और अब दिल्ली। कड़ाके की ठंड के लिए मशहूर दिल्ली भी इस बार ज्यादा ठंडी नहीं रही। ठंड आते ही चुनावी गर्मी जो शुरू हो गई थी! क्या भाजपा, क्या आप और क्या कांग्रेस, सभी के प्रचार ने गर्मी बढ़ाई। कहते हैं दिल्ली में कुछ बहुत बड़ा होने वाला नहीं है। वैसे भी यह पूर्ण राज्य तो है नहीं, इसलिए इसे जीतने के लिए जितना जोर लगाना चाहिए, कोई नहीं लगा रहा है। अनुमान कहते हैं कि केजरीवाल की आप पार्टी की सीटें जरूर घट सकती हैं लेकिन कोई बड़ा उलटफेर होने वाला नहीं है। लगता है- उलटफेर कोई चाहता भी नहीं है। अकेली दिल्ली की सत्ता में वैसे भी रक्खा ही क्या है? पुलिस तक तो उसके पास है नहीं। बेचारे अर्जियां लगाते रहते हैं और वे अस्वीकृत होती रहती हैं। हालांकि शीला दीक्षित ने जिस तरह दिल्ली को संवारा-निखारा था, वैसा तो कोई नहीं कर पाया है लेकिन उनकी कांग्रेस पार्टी का भी अब दिल्ली में कोई धनी-धोरी नहीं रहा। वोट उनके आम आदमी पार्टी ने छीन लिए। नेता आपस में कुश्ती लड़ते रहते हैं। जहां तक आप पार्टी का सवाल है, उसे हर हाल में दिल्ली की सत्ता चाहिए। ये पार्टी और उसके नेता वही हैं, जो कभी पार्टी के गठन के वक्त कहा करते थे कि 'हम सत्ता में रहकर भी बागी रहेंगे उन महफिलों के, जहां शोहरत तलवे चाटने से मिलती है।' सरकारी मकान नहीं लेंगे। सरकारी सुविधाओं का इस्तेमाल या बेजा इस्तेमाल नहीं करेंगे।

एक अलग तरह की राजनीतिक पौध विकसित करेंगे आदि। शुरू में इस पार्टी के इन नारों ने लोगों को बहुत लुभाया। बहुत ललचाया। लेकिन बाद में चीजें हल्की होती गईं और इस पार्टी की शोहरत भी कालांतर में शुचिता या सिद्धांतों के बजाय फ्रीबीज़ यानी कि मुफ्त की रेवड़ियों पर आकर टिक गई। ऐसा नहीं है कि दूसरी पार्टियां इन रेवड़ियों से परहेज कर रही हैं। सब की सब इसी पैटर्न को अपनाए हुए हैं। किसी की तरफ से हजार, किसी की ओर से डेढ़ हजार, ढाई हजार और तीन हजार रुपए महीना तक मुफ्त में देने के वादे आए दिनों किए जा रहे हैं। महिलाओं के उत्थान के नाम पर दिया जाने वाला यह पैसा सत्ता में आने या सत्ता में वापसी करने की मुख्य धुरी बन गई है। अब तक का ट्रेंड यह रहा है कि जो पार्टी सत्ता में रहती है, उसका भरोसा लोग ज्यादा करते हैं। जैसे मध्यप्रदेश की सरकार वहां पहले से महिलाओं को यह पैसा दे रही थी, इसलिए उसी पर लोगों ने भरोसा किया। जबकि विपक्ष ने सरकार द्वारा दी जा रही रकम से ज्यादा देने का चुनावी वादा किया था, लेकिन लोगों ने सत्ता पर ही भरोसा जताया। यही महाराष्ट्र में हुआ। ...और झारखंड में भी। जबकि महाराष्ट्र और झारखंड में अलग-अलग पार्टियों की सरकारें थीं। कुल मिलाकर, जो पहले से मिल रहा है, उसे कोई छोड़ना नहीं चाहता। दूसरा कोई सत्ता में आकर दे या न दे, इस झंझट में कोई पड़ना नहीं चाहता। यही वजह है कि जिन राज्यों में भी महिलाओं को हर महीने कुछ राशि दी जा रही है, वहां चुनाव होने पर सरकार रिपीट हो रही है। दिल्ली लगता है, इसका अपवाद नहीं हो सकती। हालांकि असल परिणाम तो 8 फरवरी को ही पता चलेंगे, लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चा कुछ इसी तरह की हैं।

बोधिवृक्ष

सीताराम गुप्ता

ध्यान से समाधि की ओर तभी चलेंगे

योगसूत्र में कहा गया है कि चित्तवृतियों अथवा मन पर नियंत्रण ही योग है। योग के आठ अंग हैं- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि। चिकित्सा-पद्धति के रूप में या फिर शरीर और मन के रूपांतरण के लिए योग के इन सभी आठों अंगों का अभ्यास करना अनिवार्य है। योग में शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार के अभ्यास सम्मिलित होते हैं। सवाल है कि शारीरिक अभ्यास क्रम महत्वपूर्ण है या मानसिक अभ्यास क्रम? हमारा शरीर और व्यक्तित्व वास्तव में हमारी भाव प्रक्रिया से ही बनता है। जैसा हम लगातार चिंतन करते हैं, जो कुछ भी हम सोचते रहते हैं, हम वैसे ही हो जाते हैं। इसलिए हमारी विचार प्रक्रिया का सीधा असर हमारे स्वास्थ्य या फिर रोग पर भी पड़ता है। यही विचार प्रक्रिया रोग के उपचार में भी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यहां मन महत्वपूर्ण हो जाता है। जैसा या जो भी हम चाहते हैं वह मन-मस्तिष्क की एक खास अवस्था (अल्फा) में ही पूरा होता है। अब प्रश्न उठता है कि अगर सारा खेल मन का ही है तो फिर आसन और प्राणायाम की हमें जरूरत ही क्या है? वास्तव में भौतिक शरीर की जड़ता को खत्म करके उसे मन से जोड़ने और उसके बाद मन को अपेक्षित दशा अर्थात अल्फा अवस्था में ले जाने के लिए योगासन और प्राणायाम का अभ्यास अनिवार्य है।

जब हम योग-साधना करते हैं तो कोई न कोई भाव तो हमारे मन में व्याप्त होता ही है। मन के कई स्तर हैं। चेतन या जाग्रत अवस्था में भी भाव तो होता है लेकिन वह वास्तविकता में नहीं बदलता, क्योंकि एकाग्रता और ध्यान के बिना यह असंभव है। एकाग्रता और ध्यान से हम अपेक्षित अल्फा लेवल में पहुंच जाते हैं या यूं कहें कि अल्फा लेवल में पहुंच कर ही हम एकाग्रता और ध्यान की अवस्था में पहुंच सकते है।

अल्फा लेवल कहिए या ध्यान की अवस्था, इसी में मन हमारे भावों को वास्तविकता में बदलने में सक्षम होता है। अगर हमारा शरीर स्वस्थ है और मन अपेक्षाकृत कम चंचल है तो शरीर को सही आसन में रखकर दो-चार गहरी सांस लेने पर ही हम अल्फा अवस्था में पहुंच जाएंगे और फिर इस अवस्था में पहुंचकर हम जैसा भी विचार करेंगे, जो भी सोचना शुरू करेंगे, वही भौतिक जगत में वास्तविकता ग्रहण करने लगेगा।

प्रेरक प्रसंग

इस तरह पेड़ पौधे करते हैं बातें

एक दिन महात्मा बुद्ध एक वृक्ष को नमन कर रहे थे। दूर खड़े एक भिक्षु ने देखा तो उसे हैरानी हुई। वह बुद्ध के पास गया और पूछा, 'भंते! आपने इस वृक्ष को नमन क्यों किया?' भिक्षु की बातें सुनकर बुद्ध ने जवाब में कहा, 'क्या इस वृक्ष को मेरे नमन करने से कुछ अनहोनी हो गई?' शिष्य बोला, 'नहीं भगवन! ऐसी बात नहीं, पर मुझे यह देखकर थोड़ी हैरानी अवश्य हुई कि आप जैसा ज्ञानी महापुरुष इस वृक्ष को नमस्कार कर रहा है, जबकि यह न तो आपकी किसी बात का उत्तर दे सकता है और न ही आपके नमन करने पर अपनी प्रसन्नता जाहिर कर सकता है।'

बुद्ध मुस्कराए और उन्होंने कहा, 'वत्स! तुम्हारा सोचना गलत है। वृक्ष भले बोलकर उत्तर न दे सकता हो, पर जिस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति की एक भाषा होती है, उसी प्रकार प्रकृति की भी अपनी भाषा होती है। वृक्ष में भी प्राण हैं, उसकी भी अपनी भाषा है। इस वृक्ष के नीचे बैठकर मैंने साधना की है। इसकी घनी पत्तियों ने मुझे शीतलता प्रदान की है। चिलचिलाती धूप, वर्षा से इसने मेरा बचाव किया है। प्रत्येक पल इसने मेरी सुरक्षा की। इसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना मेरा परम कर्तव्य है। और बात सिर्फ इस पेड़ की नहीं है। प्रत्येक जीव को समस्त प्रकृति का कृतज्ञ होना चाहिए।'

आगे बुद्ध ने समझाया, 'तुम इस वृक्ष की ओर ध्यान से देखो। इसकी हिलती हुई टहनियों को देखो, इसके हिलते हुए पत्तों को देखो। इससे आने वाली मंद-मंद हवा को महसूस करो। धीरे-धीरे तुम इससे जुड़ने लगोगे। फिर महसूस करोगे कि ये वृक्ष बातें भी करते हैं।' बुद्ध की बात पर शिष्य ने वृक्ष को नए आलोक में देखा तो उसे अनुभव हुआ सचमुच वृक्ष की पत्तियां, शाखाएं, फूल मन को एक अद्भुत शांति प्रदान कर रहे हैं। अब शिष्य भी वृक्ष के सम्मान में झुक गया।

कथा

ब्रह्माजी को मिली थी झूठ बोलने की सजा

भगवान शिव को सांसारिक मोह माया से ऊपर माना जाता है। शिव के बारे में कहा जाता है कि उनका ना आरंभ है और ना ही अंत। शिव अंत और आरंभ से भी ऊपर हैं। शिव को सरलता प्रिय है। सरल लोगों का शिव हमेशा ही साथ देते हैं। शिव की न्यायप्रियता की शिव पुराण में मिलती है। शिव पुराण कथा के अनुसार, एक बार ब्रह्मा और विष्णु के बीच विवाद हुआ, जिसे सुलझाने के लिए भगवान शिव प्रकट हुए थे। शिव पुराण की कहानी के अनुसार ब्रह्माजी ने झूठ बोलने की ऐसी गलती की, जिसके कारण उन्हें शिवजी ने ऐसा भयानक शाप दिया जिसकी सजा ब्रह्माजी कलियुग में भी भुगत रहे हैं। आइए, विस्तार से जानते हैं शिव पुराण की कथा।

एक समय की बात है, एक बार विष्णुजी अपने सहायकों एवं अनुचरों सहित शेष शय्या पर शयन कर रहे थे, तब ब्रह्मवेत्ताओं में श्रेष्ठ ब्रह्माजी स्वयं ही वहां जा पहुंचे और विष्णुजी को पुत्र कहकर पुकारा और कहने लगे- "हे पुत्र उठ, मुझे देख, मैं तुम्हारा ईश्वर और परमपिता परमात्मा हूं। मेरी आराधना करो।" ब्रह्माजी की बात सुनकर विष्णुजी को क्रोध आया लेकिन वे उसे दबाकर बोले- "आपका कल्याण हो लेकिन एक बात बताओ आपका मुख टेढ़ा क्यों हो गया है?" विष्णु जी ने ब्रह्मा के चौथे सिर को देखकर कहा। इस पर ब्रह्माजी ने कहा- 'समय के फेर से तुम्हें अभिमान हो गया है। हे पुत्र ! मैं तुम्हारा संरक्षक ही नहीं हूं, किन्तु समस्त जगत का पितामह हूं।' यह सुनकर विष्णुजी ने कहा- "आप स्वंय ही अपना बड़प्पन बता रहे हैं। आपके लिए किसी ने तो विनम्र शब्द नहीं कहे लेकिन आप स्वंय ही अपनी प्रशंसा किए जा रहे हैं।" विष्णु जी की बात सुनकर ब्रह्माजी बहुत क्रोधित हुए।

ब्रह्माजी क्रोधित होकर बोले- " सारा जगत तो मुझमें निवास करता है। तुम मेरे ही नाभि-कमल से प्रकट हुए हो और मुझसे ही ऐसी बातें करते हो? नन्दिकेश्वर कहते हैं कि जब इस प्रकार रजोगुण से मुग्ध उन दोनों महानुभावों में विवाद होने लगा, तब वे दोनों अपने को प्रभु कहते-कहते एक-दूसरे का वध करने पर उतारू हो गए और युद्ध छिड़ गया। हंस और गरुड़ पर बैठे दोनों अमर ईश्वर परस्पर युद्ध करने लगे, उनके वाहन भी लड़ने लगे। देवता आकाश से देखकर चिंतित होने लगे। युद्ध में ब्रह्माजी ने विष्णु जी पर कई भयानक प्रहार किए और इसक उत्तर में विष्णु जी ने भी कई प्रहार किए। इस भयानक युद्ध को देखकर समस्त सृष्टि कांप उठी।

कथा

अनुज खरे

ये अपना बजट है...

वैधानिक चेतावनी: ढेर सारे सास-बहूनुमा सीरियलों से अघाए धैर्यशील प्राणियों के लिए बिल्कुल नया रियलटी शो पेश है। पात्रों का चयन देश-काल की सीमा से परे जाकर किया गया है। पात्रों की वर्तमान देश के निवासियों से संरचनात्मक एकरूपता 'दुर्योग' मात्र है। सूत्रधार-संदेश (अर्थात् ब्रीफ में चल क्या रहा है की जानकारी) : बजट पेश किए जाने की बेला है। कब के मुक्त को प्राप्त हो चुके एक पुरातनकालीन महानुभाव धरा पर गमन कर रहे हैं। दिल्ली में विचरण करते हुए उनकी मुलाकात मुंबइया किस्म के एक मनुष्य से हो जाती है। बजट उर्फ वित्तीय खरीते पर उनकी निश्छल जिज्ञासाएं और टपोरी बीडू (नाम अपनी सुविधा से आप चाहे टीटी उर्फ टपोरी टाइप रख लें) के सहज 'भाईनुमा' समाधानों के टकराने का प्रसंग संसद के नेपथ्य में तैयार है। संवाद प्रारंभ होने को आतुर है। अतैव, रिमोट छोडें दृश्य पर ध्यान दें। अहा! कैसा शुभ प्रसंग है। मनुष्य मात्र की चिंताओं के निवारणार्थ एक ज्ञानी कितना बुद्धि-वाणी श्रम कर रहा है? वंदनीय!

दृश्य दृष्टिगोचर है। टीटी उर्फ टपोरीटाइप: ऐ... बोले तो भाषा की दुकान! ईजी वर्ड बोलने का, हमारे 'फाइनेंस मिनिस्टर भाई' हैं। अभी आंकडों के वोल्डर तेरेइच्च सिर पे मारेगा। तू अपनी चिंता भी भूल जाएगा बीडू। महानुभाव: लेकिन बंधु, ये इतने सारे प्रियजन कितना रस लेकर इनकी भाषण कला में निमग्न हैं। टीटी : तू ऐडा है क्या? आंखों का शटर खोल 'निमग्न' नहीं देख, सो रहे हैं। आंकडेबाजी के जाल में तडप रहे हैं, मछली के माफिक। बोले तो बाप भोत डेंजर बात बोल रहा है। तू कानों में अंगुली ठूंस, कल्टी कर यहां से । महानुभाव : ओह कैसा अप्रिय विलाप है आपका। इनके व क्तव्य

में बीच-बीच में अन्न-आवास, रथ-ईंधन इत्यादि वस्तुओं की ध्वनि कर्णपटल की ओर चलायमान है। अतः ऐसा प्रतीत होता है कि यह मनुष्यमात्र का चिंतक, उसकी आवश्यकताओं का सचेतक, धरा पर मानव कल्याण को समर्पित मनीषी दीख पडता है। टीटीः अबे पुराने जमाने का नया सामान तूने आज तक कोई सिंपल बातें नईं बोली क्या? भाई जो बता रैला है उस पे मत जा। ये इस जेब से देता है दूसरी से निकालता है। भोत टैम से ये हो रहा है। बोले तो लोग वहींच्च हैं, सरकारी आदमी बोत आगे बढ गयेला है। डेमोक्रेसी के फंडे नईंना जानता तू... जनता डंप, कार में अफसर। अपुन की तो यहीच्च 'डेफिनिशन' है। अब तू बता किस जुगाड में यहां फिरैला है? महानुभाव : आप तो सदेच्छाओं के प्रति निष्ठुर व्यक्त जान पडते हैं? ये कितनी निपुणता से धन का राष्ट्रवासियों की भलाई में उपयोग किए जाने की तत्परता दिखा रहे हैं। आप मिथ्या वक्तव्य दे रहे हैं?

टीटी : तू समझेगा इच्च नईं, बाप। मिथ्या नईं मत्था तो तेरा फिरैला है। तू कहीं खानों में रहता है क्या? समझा, 'फाइनेंस भाई' तो मूनिसपिल्टी टाइप काम करता है। अच्छा-अच्छा देता है, तो फौरन ही टैक्स की टंगडी मार देता है। ये मुंबई की बारिश नहीं बीडू कि जब चाहे नहा लिया, ये तो सरकारी नल है इदर पानी ले, उदर जेब ढीली कर। अबी समझा कि नाईं कि तेरे कान के नीचे बजाकर तेरी आत्मा का दरवाजा भडभडा दूं। महानुभाव : बंधुवर, विचार तो आफ उचित ही प्रतीत हो रहे हैं। यदि अपना 'देय-पण्य' समय पर नहीं निस्तारित करेंगे, तो समुचित विकास होगा भला।

टीटी : अबे तू तो ज्ञानी जैसा दिखरेला है बाप, जनता की पॉकिट से माल निकल जाता है। बोले तो वो तो गरीबाइच्च ही रैती है, पन चांद की बुझी चांदनी तूने कबी थिंकिंग किएला कि ये अमीर और अमीर कैसे होता जा रहैला है। बीडू अपुन का भेजा तो इसी टेंशन में आदा घिस गयेला है। ऐसेइच्च चलेगा तो अपुन खाएगा-पिएला किदर से । सोचा तूने, कबी झोपडपट्टी देखी है क्या? एकबार देख ले ये भारी शब्दों की टोकरी सर से गिर जाएगी तेरी। तू यहां से सरपट हो लेगा।महानुभाव : आपने मेरी कई जिज्ञासाओं का हल किया। अब आपसे अंतिम समाधान हेतु मन उत्कंठित है?टीटी : बोल न, प्यारे तू कुछ बी पूछ महानुभाव : जब जीवन प्रवाह इतना विपरीत दिशा में प्रवाहमान है तो क्यों लोग यहां निवासित हैं? बेहतर जीवन की प्रत्याशा में क्यों नहीं पलायन का प्रयत्न करते? टीटी : अपुन का देश है बीडू, अपुन का। भाइयों को छोडकर किदरीइच्च रहेगा। दिल में रखते हैं दिल में। सहलेंगे पन किदरीइच्च नईं जाने का। महानुभाव : वंदन श्रीमान् आपकी सदेच्छाएं चहुंदिशा में विस्तारित हों। अच्छा अब विदाई दो मित्र, शुभकामनाएं। सूत्रधार का पुनः प्रकटन : देखा आपने सदेच्छाओं पर ही बेहतर कल की नींव बनाई जा सकती है। उफ! ज्ञान तो वे दे गए मैं क्यों ट्राई मार रहा हूं। खैर, वे दोनों तो 'गमनायित' हो गए। आप भी दूरस्थ यंत्र को कष्ट दें टीवी बंद करें, ताकि मैं भी अपना मजमा कहीं लगाऊं।

कहानी

सुरेश सौरभ

उजली बयार

सारा दिवस काम करके सुकई सांझ ढले घर नहीं लौटा। दूसरे गांव के किसी छोर पर एक सरकारी सड़क बन रही थी वहीं मजूरी पर लगा हुआ था। पता चला सुबह कोई मंत्री-संतरी आने वाला है, सड़क देखने के लिए इसलिए उसे बताया गया काम रातभर चलता रहेगा और रात में दुगुनी मजूरी मिलेगी। लिहाजा रात में डबल मजूरी के लोभ-लालच में सुकई और उसके तमाम साथियों को रोक लिया गया। सुकई अपनी मुफलिसी का संघर्ष ऊंघते अलसाते सुस्ताते पत्थरों गिट्टियों से करने लगा। गरीब के हाथ में जहां से चार पैसे मिलने का सहारा हो वहीं उसका पीर घाट होता है। घर में उसकी पत्नी सन्नो और युवा हो रही बेटी चंपा थी। शाम अपनी चादर समेट कर हौले-हौले कदमों से जा चुकी थी। रातरानी सी महकती लचकती बावरी सोंधी-सोंधी यामिनी का आगमन हो चुका था। आज चंपा की मां उसे अकेला छोड़कर गांव में किसी के घर, गाने बजाने जाने लगी। जाते-जाते बेटी को ताकीद दी-आज उनके यहां रतजगा है। अगर न गई तो बाद में ताना-उलाहना कौन सुनेगा, फिर तेरी शादी में कौन लौंग-लोबान चढ़ाने आयेगा। ठीक से बंद कर लेना, बापू तेरा आता ही होगा। ये भी नहीं कि देर-बेर हो गई है, चलो एक फोन ही कर दे। अरे! करे भी तो किसके फोन से कितनी बार कहा पांच सौ रुपैया वाला एक चाइना मोबाइल ले लो पर हाय रे-ये गरीबी खाने पीने से दमड़ी बचे तब न। जाने कितनी बार कहा तब जाकर कहीं घर पर एक चाइना चुनौटी आ पायी यही सब बड़बड़ाते हुए झुंझलाते हुए चली गई। रात गहराने लगी पर सन्नो नहीं लौटीं। गाने बजाने वाली कौमें जहां जमा हो जाएं वहां दिन-रातें सिकुड़ कर बौनी पड़ने लगतीं हैं। चंपा का सुर्ख चंपाई यौवन अंगड़ाइयां लेते हुए अनगिन ख्वाबों की दुनिया में हिचकोले खा रहा था। तभी एकाएक कोई धड़ाम से आंगन में कूदा. अचकचा कर भय से मिचमिचाते हुए आंखें खोलीं। देखा सामने असलहा ताने गांव का एक नम्बर का लुच्चा लफंगा रज्जू सिंह खड़ा है। ढिबरी की रौशनी में उसका रौबीला गठीला बदन देखकर अंदर तक सहम गई। घिघ्घी बंध गई। वह जड़वत सी उसे विस्मय से फटी-फटी आंखों से देखते हुए उठ बैठी-हाय! यह हरामी का पिल्ला कहां से टपक पड़ा। नासपीटे की लार देखो कैसे टपक रही। जवान अकेली लौडिया देखकर इसकी आंतें तड़प रहीं हैं। आज इसके मुंह में आग लगा दूंगी.. सारी हरामीपंती पेट में खोंस दूंगी.दिमागी घोड़े सरपट बेतहाशा दौड़े जा रहे थे। आज शेर को नरम चारा बिल्कुल मिल जायेगा। जिसकी ताक में वर्षों से चौरासी कोसीय परिक्रमा कर रहा था। रौब में बोला-अगर जरा भी चिल्लाई तो पूरे असलहे की गोलियां तेरे सीने पर झार दूंगा। चुपचाप तैयार हो जा मेरी बांहों का हार बनने के लिए।' चंपा खुद को संभालते हुए गिड़गिड़ाते हुए-तैयार तो मैं कब से बैठी थी मेरे जानूं तू ही नासपीटे जाने कहां बैठा था। आजा मेरे राजा। मेरे प्यासे अधरों की प्यास बुझा जा। हाय! मेरे जानूं तेरे लिए तो मैं तो बरसो से तड़प रहीं हूं। आज घर में कोई नहीं है। चंपा की तुझ पर जां निसार मेरे छलिया, मेरे लाले।'

बेवकूफ मामो

इथियोपिया के एक गाँव में मामो नाम का एक लड़का अपनी माँ के साथ रहता था। उसके पिता नहीं थे। मामो की माँ बहुत ही गरीब थी इसलिये वह अपनी माँ की सहायता करना चाहता था।एक दिन वह एक किसान के पास गया और उससे उसे कुछ काम देने के लिए कहा। किसान भला था उसने मामो को अपने खेत पर कुछ काम दे दिया। जब मामो ने अपना काम खत्म कर लिया तो किसान ने उसके काम के बदले में उसको कुछ पैसे दिए।जब मामो घर वापस जा रहा था तो उसने वे पैसे रास्ते में फेंक दिए। जब मामो घर पहुंचा तो उसने अपनी माँ को बताया कि आज उसने एक किसान के पास काम किया था। माँ ने पूछा तो उसने तुम्हें पैसे दिये होंगे। तुम्हारे वे पैसे कहाँ हैं? मामो बोला वह तो मैंने फेंक दिये। इस पर उसकी माँ बहुत नाराज हुई और बोली आगे से ऐसा कभी नहीं करना बल्कि जिसके लिये तुम काम करो वह अगर तुम्हें कुछ दे तो उसको अपनी जेब में रख कर लाना।"अगले दिन मामो फिर उसी किसान के पास गया और फिर उसका काम किया। काम खत्म होने के बाद किसान ने उस दिन उसको उसके काम के बदले में कुछ मक्खन दिया। अपनी माँ की बात याद करके मामो ने वह मक्खन अपनी जेब में डाल लिया। रास्ते में गरमी थी सो घर आते आते वह मक्खन पिघल गया। जेब में से मक्खन पिघल पिघल कर टपकता रहा। मक्खन भी गया और उसके सब कपड़े भी खराब हो गये।जब मामो की माँ ने यह सब देखा तो वह मामो पर फिर बहुत नाराज हुई और बोली "मामो, इस तरह तुम मेरी सहायता नहीं कर रहे हो।"मामो भी यह सुन कर बहुत दुखी हुआ क्योंकि वह सचमुच ही माँ की सहायता करना चाहता था। उसने माँ से कहा कि अगली बार वह ख्याल रखेगा।अगले दिन जब मामो ने अपना काम खत्म किया तो उस किसान ने मामो को कुछ माँस दिया। मामो ने उस माँस को रस्सी से बाँधा और उसको जमीन पर घसीटते हुए घर की तरफ चल दिया।कुछ कुत्तों ने वह माँस देखा तो वे मामो के पीछे लग गये और उन्होंने उसका सारा माँस खा लिया।जब तक मामो घर पहुंचा तब तक उस माँस में से कुछ भी नहीं बचा था। उसकी माँ यह देख कर फिर बहुत नाराज हुई और बोली "अगली बार तुमको जो कुछ मिले अपने कंधे पर रख कर लाना।

माटी

कितनी मोटी होती जा रही हो तुम। थोड़ा कम खाया करो। अपना खान-पान सुधारो। क्या खाती हो तुम, जो इतनी मोटी होती जा रही हो। कल्पना को हर जगह बस इसी तरह के ताने, सलाह, सुझाव सुनने को मिल रहे थे। प्रसून के जन्म लेने के बाद से कल्पना का जो वजन बढ़ा, वह कम होने के बजाए साल दर साल बढ़ ही रहा था। उस पर घर और ऑफिस दोनों को संभालते-संभालते कल्पना खुद के लिए वक्त ही नहीं निकाल पाई थी। लोगों की बातें सुनते-सुनते उसे भी लगने लगा था कि सच ही तो है, वो कितनी लापरवाह है खुद के प्रति। खुद के लिए भी समय नहीं निकाल पा रही है। कितनी बार सोचा कि जिम ज्वाइन कर लूं। ये भी मन आया कि जुम्बा या एरोबिक्स क्लास ही शुरु कर लूं। लेकिन कुछ भी नहीं कर पाई। हालांकि उसे खुद के वजन से कोई परेशानी नहीं है, लेकिन ये दुनिया कितने ताने देती है उसे। हर वक्त कोई ना कोई अहसास करवा रहा होता है कि तुम कितनी मोटी होती जा रही हो। सुयश भी तो कई बार कह चुके हैं कि थोड़ा कंट्रोल करो। सबसे ज्यादा गुस्सा तब आता है, जब लोग कम खाने की सलाह देते हैं। अब दो रोटी ही तो खाती हूं, वह भी बंद कर दूं, हवा खाकर अपना पेट भल लूं क्या। लेकिन लोग उसकी सुनने के बजाए बस उसे सलाह ही देते रहते हैं। आज 10 वर्षों बाद मिली हैं दोनों सहेलियां। लेकिन सुरेखा ने कल्पना के वजन को लेकर कोई कमेंट नहीं किया, बल्कि बोली कि कल्पना तुम्हारे शरीर में खून की कमी है शायद। सुरेखा की बात सुनकर कल्पना का चौंकना लाजिमी था। उसने पलटकर सुरेखा से पूछा, खून की कमी। सुरेखा बोली, मेरा मतलब है हिमोग्लोबिन की कमी है तुम्हारे रक्त में। क्या तुमने कभी चेक करवाया। नहीं तो, कल्पना का जबाव था। सुरेखा बोली, कभी तुमने गौर नहीं किया कि तुम्हारा वजन इतना क्यों बढ़ा हुआ है.

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्पररी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है बढ़ कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने जड़ की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सास (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी शृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

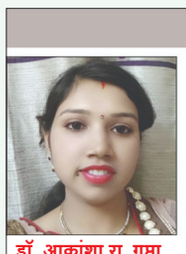
डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

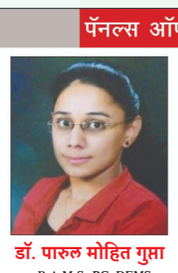
डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, गुरुवार, 6 फरवरी 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

छत्रपति शिवाजी महाराज के अश्वारोही स्मारक के निर्माण की प्रक्रिया में तेजी लाएं : विधायक जोरगेवार

> नगर निगम अधिकारियों की बैठक में अधिकारियों को दिये निर्देश

चंद्रपुर, सुनील तायडे

चंद्रपुर के लोगों की इच्छा है कि चंद्रपुर शहर में छत्रपति शिवाजी महाराज का एक भव्य घुड़सवार स्मारक बनाया जाए। इस स्मारक के निर्माण के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर स्थल की पहचान कर ली गई है। हालांकि , इस काम की प्रक्रिया में देरी होने के कारण, सभी संबंधित विभाग समन्वय स्थापित कर इस काम में तेजी लाने के लिए तत्काल आवश्यक अनुमति प्राप्त करें , ऐसा निर्देश विधायक किशोर जोरगेवार ने मनपा आयुक्त को दिया है।

चंद्रपुर शहर महानगरपालिका में विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा के लिए एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में नेताजी सुभाष चंद्र बोस और छत्रपति शिवाजी महाराज के स्मारकों से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। विधायक जोरगेवार ने स्पष्ट रूप से सुझाव दिया कि प्रशासन को तत्काल निर्णय लेना चाहिए ताकि शिवाजी के स्मारक के निर्माण में कोई बाधा न आए और यह प्रक्रिया और अधिक तेजी से पूरी हो सके । इस बैठक में मनपा आयुक्त विपिन पालीवाल , अतिरिक्त आयुक्त चंदन पाटिल , उपायुक्त मंगेश खवले , शहर अभियंता विजय बोरिकर सहित संबंधित विभाग के अधिकारी और पूर्व नगरसेवक उपस्थित थे।

इस अवसर पर विधायक जोरगेवार ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज केवल महाराष्ट्र तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। यदि उनका घुड़सवारी स्मारक चंद्रपुर के केन्द्रीय स्थान पर स्थापित किया जाए तो यह इस शहर के नागरिकों के लिए गर्व की बात होगी। साथ ही नई पीढ़ी को शिवाजी की उपलब्धियों से प्रेरणा मिलेगी। शिव भक्तों और शहरवासियों ने इस स्मारक के लिए भरपूर सहयोग दिया है और उम्मीद है कि यह कार्य जल्द ही पूरा हो जाएगा । विधायक जोरगेवार ने इस बैठक में निर्देश दिया है कि प्रतिमा निर्माण के लिए सभी सरकारी एजेंसियां समन्वय करें और सभी प्रकार की अनुमतियां और तकनीकी मामलों को तुरंत निपटाया जाए ।

चंद्रपुर नगर निगम ने इस कार्य का प्रारंभिक चरण शुरू कर दिया है और उम्मीद है कि सभी प्रक्रियाएं जल्द ही पूरी हो जाएंगी और वास्तविक निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा । शिवप्रेमियों ने विश्वास व्यक्त किया है कि विधायक किशोर जोरगेवार की पहल और नागरिकों के सहयोग से यह प्रतिमा शीघ्र ही स्थापित की जाएगी ।

बंगाली कैंप में बनेगा नेताजी सुभाषचंद्र बोस का स्मारक

चंद्रपुर में बड़ी संख्या में बंगाली समुदाय के लोग रहते हैं। इसलिए बंगाली कैंप में नेताजी सुभाष चंद्र बोस का स्मारक बनाया जाएगा। विधायक किशोर जोरगेवार ने इस काम को जल्द से जल्द पूरा करने का सुझाव दिया है। विधायक किशोर जोरगेवार ने मनपा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस संबंध में सभी परमिट प्राप्त कर लिए गए हैं तथा परिवहन विभाग से शेष परमिट भी तुरंत प्राप्त किए जाएं।

बेखौफ रेत माफिया का पत्रकारों पर जानलेवा हमला

> पुलिस और जिला प्रशासन के सर पर नाच रहे रेत माफिया
> सोनी बंधु ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की

चंद्रपुर. विरूर स्टेशन स्थित सारडा कॉम्प्लेक्स गोदाम में व्यापारी संघ की बैठक चल रही थी, उसी दौरान सोनी बंधुओं रामावतार सोनी और ललित कुमार सोनीपर रेत माफिया ने जानलेवा हमला कर बुरी तरह से पीटा. प्रेस

कॉन्फ्रेंस में इसमें शामिल सभा लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सोनी बंधु ने बताया कि दोनों भाई साप्ताहिक बाजार में अपनी किराना की दुकान चलाते हैं। 2 फरवरी को रात 8 बजे सारडा कॉम्प्लेक्स में व्यापारी संघ की बैठक हुई। बैठक में बड़े भाई रामावतार सोनी व गोपाल जाकोटिया, जगतसिंह वधावन व अन्य व्यापारी मौजूद थे। वहीं, सतीश कोमरवेल्लीवार, प्रकाश कोमरवेल्लीवार, रूपेश कोमरवेल्लीवार, सचिन कोमरवेल्लीवार, दिनेश कोमरवेल्लीवार ने पहुंचकर अपने बड़े भाई रामावतार सोनी व ललित कुमार सोनी पर रेत तस्करों को परेशान करने, पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर रेत तस्करी की सूचना देने, व्हाट्सअप पर सूचना फैलाने, जिला कलेक्टर, खनिज विभाग व तहसीलदार को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग करने का आरोप लगाया। सोनी बंधुओं ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि सतीश कोमरवेल्लीवार व अन्य आरोपियों ने विवाद कर उनके साथ मारपीट की। झगड़े में दोनों भाई घायल हो गए। उस समय मौजूद पुलिस कांस्टेबल विजय मुंडे ने आरोपियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे किसी की बात सुनने को तैयार नहीं थे।आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। विरुर स्टेशन पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। सोनी बंधु ने प्रेस वार्ता के माध्यम से उक्त आरोपियों के विरुद्ध पत्रकार सुरक्षा अधिनियम एवं व्हिसलब्लोअर एक्ट के तहत कार्यवाही कर न्याय एवं सुरक्षा की मांग की है।

मांगली गांव से 10 किमी इलाके तक 'अलर्ट जोन' घोषित

> जिलाधिकारी ने दिये बर्ड फ्लू रोग के संबंध में एहतियात बरतने के निर्देश

चंद्रपुर.

चूंकि 25 जनवरी, 2025 से ब्रह्मपुरी तालुका के मौजा मांगली गांव में पोल्ट्री पक्षियों में यह बीमारी देखी गई थी, इसलिए पशुपालन विभाग द्वारा मृत पोल्ट्री पक्षियों के नमूने एकत्र किए गए और पुणे और भोपाल में राज्य स्तरीय पशु रोग जांच प्रयोगशाला, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान को सौंपे गए। चूंकि नमूनों में बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा एच5एन1) की पुष्टि हुई है, इसलिए जिलाधिकारी और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष

ने रोग के प्रसार को रोकने के लिए मांगली गांव के 10 किलोमीटर के दायरे को बंद करने का निर्णय लिया है। इस दायरे के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र को 'अलर्ट जोन' घोषित कर दिया गया है। प्रशासन को उक्त क्षेत्र में निम्नलिखित आवश्यक निवारक उपाय करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

प्रभावित क्षेत्रों में, मांगली, गेवरला चक और जूनोनाटोली में पोल्ट्री रैपिड रिस्पांस टीम संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करके प्रभावित पक्षियों को मारने के लिए तुरंत कार्रवाई करेगी। इसके अलावा मृत पक्षियों का निपटान दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जाएगा। प्रभावित क्षेत्र में बचे हुए पशु आहार, अंडे आदि को नष्ट कर दिया जाएगा तथा उनका वैज्ञानिक तरीके से निपटान किया जाएगा। प्रभावित क्षेत्रों में वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है तथा निजी वाहनों को क्षेत्र के बाहर पार्क करने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा, प्रभावित क्षेत्रों में जीवित एवं मृत मुर्गियां, अंडे, मुर्गी खाद, पक्षी चारा, सहायक सामग्री एवं उपकरण आदि के परिवहन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। प्रभावित पोल्ट्री फार्म के क्षेत्र में नागरिकों के साथ-साथ अन्य पक्षियों और जानवरों की आवाजाही पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। प्रभावित पोल्ट्री फार्म के प्रवेश द्वार एवं परिसर को 2 प्रतिशत सोडियम हाइपोक्लोराइट या पोटेशियम परमैंगनेट से कीटाणुरहित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रभावित क्षेत्र से 5 कि.मी. परिधि क्षेत्र में पोल्ट्री एवं चिकन की दुकानें, परिवहन, बाजार एवं यात्रा और प्रदर्शनी आदि बंद रहेंगे।

नागरिकों से अपील.

उबले अंडे और पका हुआ चिकन खाना मानव स्वास्थ्य के लिए पूरी तरह सुरक्षित है। इसलिए नागरिकों को बर्ड फ्लू के बारे में अनावश्यक भय नहीं रखना चाहिए। इसके अलावा, अफवाहें और गलतफहमियां न फैलाएं। इसके अलावा, यदि जिले में कहीं भी पक्षियों में कोई असामान्य मृत्यु दर पाई जाती है, तो निकटतम पशु चिकित्सा क्लिनिक या टोल-फ्री नंबर 1962 पर संपर्क करने की अपील जिलाधिकारी विनय गौड़ा तथा पशुपालन उपायुक्त डॉ. मंगेश काले ने की.

4 माओवादियों ने पुलिस और सीआरपीएफ के सामने आत्मसमर्पण किया

> सरकार ने कुल 28 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।
> एक डीवीसीएम (डिवीजनल कमेटी मेंबर), एक एसीएम (एरिया कमेटी मेंबर) और दो सदस्य रैंक के माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया।
> दो पति-पत्नी ने समर्पण कर सम्मानपूर्वक जीवन जीने का मार्ग अपनाया

गढ़चिरोली: वर्ष 2005 से सरकार द्वारा घोषित आत्मसमर्पण योजना के कारण तथा हिंसापूर्ण जीवन से थककर अब तक वरिष्ठ माओवादियों सहित कई माओवादियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। साथ ही, पुलिस बल द्वारा आत्मसमर्पित माओवादियों के पुनर्वास के परिणामस्वरूप, अब तक कुल 695 माओवादियों ने गढ़चिरौली पुलिस बल के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। 3 फरवरी, 2025, 01 डीवीसीएम, 01 एसीएम, मेंबर सहित कुल 04 माओवादी उग्रवादी जिनमें 02 वरिष्ठ रैंक के सदस्य शामिल हैं 1) अशोक पोचा सदमेक उर्फ बलन्ना उर्फ चंद्रशेखर, डीवीसीएम तकनीकी टीम, उम्र 63 वर्ष, निवासी अर्कापल्ली, तहसिल अहेरी, जिला. गढ़चिरौली, 2) वनिता दोहे जोरे, एसीएम टेक्निकल टीम, उम्र 54 वर्ष, निवासी कोर्नार, तहसिल एटापल्ली. ज़िला गढ़चिरौली, 3) साधु लिंगु मोहनदा उर्फ शैलेश उर्फ समीर, प्लाटून-32 सदस्य, उम्र 30 वर्ष, निवासी तुमारकोडी, तहसिल भामरागड़ जिला. गढ़चिरौली और 4) मुन्नी पोडिया कोरसा, पार्टी सदस्य, उम्र 25 वर्ष, निवासी सिलिगर्न. कोला, जिला. सुकमा (छ.ग.) ने गढ़चिरौली पुलिस और सीआरपीएफ के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

अशोक पोचे सडमेक उर्फ बालन्ना उर्फ चंद्रशेखर, दलम में कार्यकाल 1991 में अहेरी दलम में शामिल हुए और 1995 तक काम किया,1995 से 1997 तक उन्होंने बालाघाट क्षेत्र में टाडा दलम (म.प्र.) में कार्य किया तथा एसीएम के पद पर पदोन्नत हुए।

1998 से 1999 तक वे अहेरी दलम में एसीएम के पद पर कार्यरत रहे। 2000 में उन्हें चामोर्शी दलम में कमांडर के पद पर पदोन्नत किया गया और उन्होंने 2003 तक वहां सेवा की। 2003 में संभागीय आयुक्त के पद पर पदोन्नत हुए और 2005 तक चामोर्शी दलम में काम किया। 2005 से 2007 तक गैर-लड़ाकू कमांडर के रूप में कार्य किया। वर्ष 2007 से 2017 तक नक्सल साहित्य शिक्षण समिति में नियुक्त टीम के साथ नक्सल संगठनों के बारे में शिक्षा प्रदान करने का कार्य किया। 2018 में तकनीकी टीम में स्थानांतरित हुए और आज तक कार्यरत हैं।

अशोक पोचे सडमेक उर्फ बलन्ना उर्फ चंद्रशेखर पर अब तक कुल 82 मामले दर्ज हैं, जिनमें 31 मुठभेड़, 17 आगजनी और 34 अन्य अपराध शामिल हैं। वनिता दोहे जोरे 1993 में एटापल्ली दलम में शामिल हुए और 1995 तक काम किया।

1995 में टिपागड़ दलम में स्थानांतरित हुए और 1999 तक सदस्य के रूप में कार्य किया। 1999 में उन्हें नेशनल पार्क महिला रेजिमेंट में कमांडर के पद पर पदोन्नत किया गया। वर्ष 2005-2006 में उन्होंने टेक्कामेट्टा के पास एक गांव में जनता सरकार स्कूल में शिक्षक के रूप में काम किया। 2006 से 2010 तक अबूझमाड़ के जटवाही, कुतुल, नेलनार गांवों में 04 वर्षों तक जनताना स्कूल में शिक्षक के रूप में कार्य किया। 2010 में एसीएम के पद पर पदोन्नत हुए।

2010 से 2019 तक उन्होंने गांव-गांव जाकर बैठकें कर जनता सरकार के लिए काम किया। 2019 से 2022 तक उसेवाड़ा क्षेत्र में काम किया। 2022 में उन्हें तकनीकी टीम में स्थानांतरित कर दिया गया और वे वर्तमान में वहीं काम कर रही हैं।

वनिता दोहे जोरे के खिलाफ अब तक कुल 11 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 01- मुठभेड़, 02- आगजनी और 08- अन्य अपराध शामिल हैं।

साधु लिंगु मोहनदा उर्फ शैलेश उर्फ समीर 2011 में उन्हें पीपुल्स मिलिशिया के रूप में भर्ती किया गया और 2012 तक उन्होंने भामरागड़ दलम के साथ काम किया। 2012 में सदस्य के पद पर पदोन्नत हुए और 2017 तक भास्कर हिचामी के अंगरक्षक के रूप में काम किया। 2017 में कसनसूर दलम में स्थानांतरित होकर कार्यरत। 2018 में कसनसुर-बोरिया मुठभेड़ में घायल होने के बाद, उन्हें अप्रैल 2018 में स्टाफ टीम में स्थानांतरित कर दिया गया और 2021 तक काम किया। माहे को जुलाई 2021 में प्लाटून 32 में स्थानांतरित कर दिया गया और वह आज तक सदस्य के रूप में कार्यरत हैं।

साधु लिंगु मोहन्दा उर्फ शैलेश उर्फ समीर के विरुद्ध आज तक कुल 04 मुकदमें पंजीकृत हैं, जिनमें 02- मुठभेड़ व 02- अन्य अपराध शामिल हैं।

मुन्नी पोडिया कोर्सा 2015 में बासागुडा दलम में शामिल हुए और वहां काम किया वर्ष 2016 में प्लाटून नं. उन्हें 07 सदस्य के पद पर स्थानांतरित किया गया और उन्होंने 2018 तक काम किया। वर्ष 2018 में प्लाटून नं. 32 में प्लाटून सदस्य के रूप में स्थानांतरित किया गया।

* 2019 में आपूर्ति टीम में स्थानांतरित हुए और 2021 तक काम किया।

* 2021 में उनका तबादला मैड डिवीजन में हो गया और वे आज तक जनता सरकार स्कूल में शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं।

हिंसक घटनाओं में उसकी संलिप्तता की पुष्टि के लिए जांच चल रही है।

अत्याधुनिक नि:शुल्क मोबाइल अस्पताल का उद्घाटन

चंद्रपुर.

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री हंसराज अहीर की विशेष पहल एवं प्रयासों से चंद्रपुर जिले के चंदनखेड़ा क्षेत्र के गरीब , मजदूर एवं आम नागरिकों को समय पर मौके पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की नेक भावना से गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि . (गेल) ने सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित मोबाइल मेडिकल यूनिट अस्पताल की सेवा शुरू की है और इस मोबाइल अस्पताल का भव्य उद्घाटन समारोह 6 फरवरी 2025 को भद्रावती तालुका के चंदनखेड़ा गांव में हंसराज अहीर के शुभ हाथों से दोपहर 1 बजे आयोजित किया जा रहा है ।

इस समारोह में वरोरा निर्वाचन क्षेत्र के विधायक करण देवतले , वरिष्ठ भाजपा नेता विजय राउत , भाजपा नेता खुशाल बोंडे , रमेश राजुरकर , गेल के कार्यकारी निदेशक अनूप कुमार गुप्ता , पूर्व जिला मजिस्ट्रेट, मारोती गायकवाड़ , प्रशांत डाखरे , इंदु नन्नावरे, पूर्व अध्यक्ष , विद्या कामड़े , प्रवीण ठेंगणे , सरपंच नयन जांभुले और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे ।

चंद्रपुर लोकसभा क्षेत्र के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक जनप्रतिनिधि के रूप में हंसराज अहीर ने हमेशा सिकलसेल , हृदय रोग , महिलाओं में एनीमिया और अन्य बीमारियों पर शिविर आयोजित करके जिले के मरीजों को सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास किया है । मोबाइल मेडिकल यूनिट एम्बुलेंस अस्पताल सेवा भी उनके मरीजों के प्रति कर्तव्य का प्रमाण है । राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर ने आशा व्यक्त की है कि इस मोबाइल मेडिकल यूनिट एम्बुलेंस सेवा से ग्रामीण क्षेत्रों में गंभीर बीमारियों से ग्रस्त मरीजों तथा अन्य बीमार मरीजों को काफी सुविधा मिलेगी ।

महा स्वच्छता अभियान में सैकड़ों हाथ आगे बढ़े

> एक ही दिन में चंद्रपुर जिले के सभी गांवों में सफाई.
> नागरिकों, जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बड़ी भागीदारी

चंद्रपुर.

राज्य सरकार के निर्देशानुसार 5 फरवरी 2025 को जिले के सभी गांवों में महा स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। जिले में विभिन्न स्थानों पर लोगों ने श्रमदान में भाग लिया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी विवेक जॉनसन ने नागरिकों से महा स्वच्छता अभियान में भाग लेने और हर गांव में अभियान को

लागू करने की अपील की थी। उस आह्वान पर प्रतिक्रिया देते हुए, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी जल एवं स्वच्छता नूतन सावंत के मार्गदर्शन में, चंद्रपुर जिले के प्रत्येक गांव में श्रमदान अभियान में सैकड़ों नागरिक हाथों में झाड़ू लेकर सफाई के लिए आगे आए। इस श्रमदान अभियान के माध्यम से गांवों में सार्वजनिक स्थानों की सफाई की गई। इस महा श्रमदान अभियान में ग्रामीणों के साथ-साथ अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जिले में विभिन्न स्थानों पर महा स्वच्छता अभियान में अच्छी भागीदारी रही है और चंद्रपुर जिले के हर गांव से

सैकड़ों हाथों ने अपना श्रम दान कर क्षेत्र की सफाई की है। इस पहल के माध्यम से एक ही दिन में चंद्रपुर जिले के सभी गांवों में विभिन्न स्थानों की सफाई की गई। इस पहल में चंद्रपुर जिले के सभी पंचायत समितियों के अंतर्गत समूह विकास अधिकारियों सहित पंचायत समिति स्तर के सभी अधिकारी और कर्मचारी, साथ ही ग्राम स्तर के सभी कर्मचारियों ने भाग लिया और इस पहल को ग्राम स्तर पर सफल बनाया।

चंद्रपुर जिले में महास्वच्छता अभियान ग्रामीणों के सहयोग से बड़े पैमाने पर क्रियान्वित किया गया। इससे जिले के गांवों में सार्वजनिक क्षेत्रों की सफाई हो सकी। ऐसी जानकारी विवेक जॉनसन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद चंद्रपुर ने एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी.

धान उत्पादक किसानों के खातों में तुरंत बकाया राशि जमा हो : मुनगंटीवार

चंद्रपूर. चंद्रपुर जिले में धान उत्पादक किसानों के धान खरीदी की बकाया राशि तत्काल संबंधित किसानों के खातों में जमा करने की मांग विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने महाराष्ट्र राज्य सहकारी विपणन महासंघ के प्रबंध निदेशक हनुमंत पवार से की. हनुमंत पवार ने आश्वासन दिया कि धान खरीदी का बकाया पैसा 6 फरवरी की शाम तक किसानों के खातों में जमा कर दिया जाएगा। इस संबंध में मुनगंटीवार ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की सचिव जयश्री भोज से भी चर्चा की।चंद्रपुर जिले के किसानों में भारी असंतोष है, क्योंकि कुल 16,669 धान उत्पादक किसानों पर धान खरीदी का 93.9 करोड़ रुपए बकाया है। कई किसानों ने इस बारे में शिकायत की है। सुधीर मुनगंटीवार से मुलाकात की और अपने कारण प्रस्तुत किए। सुधीर मुनगंटीवार ने तुरंत महाराष्ट्र राज्य सहकारी विपणन महासंघ मुंबई के प्रबंध निदेशक हनुमंत पवार से संपर्क किया.

विजय देवरकोंडा ने नहीं की रश्मिका की मदद

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा हमेशा सुर्खियों का हिस्सा बने रहते हैं. लंबे वक्त ये खबरें आ रही हैं कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. हालांकि दोनों ने कभी इसपर अपना रिएक्शन नहीं दिया है. दोनों को कई बार साथ में स्पॉट भी किया जाता है.कुछ दिन पहले रश्मिका के पैर में चोट लग गई थी, जिसकी वजह से सिकंदर की शूटिंग से उन्हें ब्रेक भी लेना पड़ा. एक्ट्रेस 'छावा' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान लंगड़ाते हुए पहुंची थीं. हाल ही में रश्मिका के रूमर्ड बॉयफ्रेंड विजय देवरकोंडा का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा सकता है कि वो बिना रश्मिका की मदद किए कार में जाकर बैठ जाते हैं. वीडियो के सामने आने के बाद फैन्स एक्टर को जमकर ट्रोल कर रहे हैं.

हाल ही में जब लोगों ने वायरल वीडियो में ये देखा कि विजय बिना रश्मिका की मदद किए कार में बैठ गए तो लोगों ने उनको जमकर ताने सुनाए. दरअसल विजय और रश्मिका कहीं बाहर गए थे. इस दौरान एक्ट्रेस वॉकर के सहारे चल रही थीं.

वायरल क्लिप में विजय को रश्मिका से आगे चलते हुए देखा गया. वो किसी बिल्डिंग से बाहर निकले और सीधे कार में चले गए. वहीं रश्मिका लंगड़ाते हुए धीरे-धीरे चलकर किसी तरह कार तक पहुंचीं. ऐसी हालत में भी विजय ने एक्टेस की मदद नहीं की और रश्मिका की टीम उनकी हेल्प के लिए आई. ये वीडियो अब रेडिट पर शेयर किया जा रहा है, जिसमें नेटजन्स एक्टर को उनकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड की मदद न किए जाने पर नाराजगी जता रहे हैं. एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, "उसने कार तक जाने के लिए मदद भी नहीं की." एक और शख्स ने लिखा,"लोल, मदद ही कर देता लाइगर."

कुछ दिन पहले रश्मिका ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया था. इसमें उन्होंने अपनी हेल्थ के बारे में बताया था. एक्ट्रेस ने कहा था कि उनको जिम में चोट लग गई थी. एक्ट्रेस ने ये भी कहा था कि उनको ठीक से पता नहीं है कि वो पूरी तरह से कब तक ठीक हो पाएंगी. रश्मिका ने जल्दी ही 'थामा', 'कुबेरा' और सिकंदर के सेट पर लौटने की प्लानिंग की थी. लेकिन अब चोट की वजह से हो रही देरी के कारण एक्ट्रेस ने अपने डायरेक्टर्स से माफी मांगी और रिकवर होने के बाद लौटने की बात कही थी.

आमिर के लाडले पर भड़कीं फराह खान

आमिर खान के बेटे जुनैद खान और श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर की फिल्म लवयापा रिलीज के लिए तैयार है. फिल्म अभी 7 फरवरी को रिलीज होगी, लेकिन उसके पहले इसका टाइटल सॉन्ग सोशल मीडिया पर छा गया है. इसके डांस स्टेप्स पर लोग रील्स बना रहे और ये गाना वाकई में फनी टाइप है, जिसे बड़े-बच्चे सभी पसंद कर रहे हैं. 'लवयापा' गाने पर जुनैद और खुशी कपूर को फराह खान ने डांस स्टेप्स सिखाए और जुनैद को ये सब सिखाने में फराह खान के पसीने छूट गए थे. जुनैद खान और खुशी कपूर ने इससे जुड़े किस्से भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया के

पॉडकास्ट में बताए हैं.

बातों-बातों में जुनैद ने कहा कि वो कोई भी सीन कर लेते हैं लेकिन उन्हें डांस करने में काफी परेशानी होती है. उन्हें स्टेप्स याद नहीं रहते और इसके लिए कोरियोग्राफर से डांट भी पड़ चुकी है.भारती सिंह ने पूछा, 'कितने दिन में आपने सीखा और किस कोरियग्राफर ने आपको सिखाया?' तो जुनैद खान ने कहा कि फराह मैम ने डेढ़ दिन में सिखाया और बहुत डांटा भी था. जुनैद ने कहा,'फराह मैम ने कई घंटे प्रैक्टिस कराई और बाद में सिर्फ इनका (खुशी कपूर) का डांस रखा

और मेरा कैंसिल करा दिया. फराह मैम बोलती हैं कि तुमसे नहीं होगा, उन्होंने खुशी से डांस कराया और मुझे बैठाकर एक-दो स्टेप्स करने को बोला.'इसपर हर्ष ने कहा,'फराह मैम सच में बहुत ईमानदार हैं ना डांस को लेकर.' तो जुनैद ने कहा, 'हां वो ऐसे खूब हंसी-मजाक करती हैं लेकिन अगर उनके बताए स्टेप्स को कोई इधर-उधर करता है तो वो वही बोल देती हैं जो सच होता है.'

वरुण की 'बेबी जॉन' फ्लॉप हुई

इस साल कई फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हैं. इनमें से एक है वरुण धवन और जान्हवी कपूर की सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी. धर्मा मूवीज वालों ने फिल्म का ऐलान किया था. इस दौरान बताया था कि पिक्चर 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. इसी बीच पता लगा कि फिल्म अब अप्रैल में रिलीज नहीं होगी. इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म का शूट अबतक खत्म नहीं हुआ है. वहीं मार्च तक शूटिंग भी बढ़ गई है.

दरअसल वरुण धवन और जान्हवी कपूर की रोम-कॉम री-शूट मोड में चली गई है. डायरेक्टर शशांक खैतान और प्रोड्यूसर करण जौहर की फिल्म अब इस साल के सेकंड हाफ में रिलीज की जाएगी. बीते साल दिसंबर में वरुण धवन की बेबी जॉन आई थी, जो फ्लॉप हो गई थी. अब अगली फिल्म पोस्टपोन हो गई.

हाल ही में बॉलीवुड हंगामा पर एक रिपोर्ट छपी. इससे पता लगा, प्रोड्यूसर्स फिल्म के कुछ हिस्सों को बेहतर बनाना चाहते हैं. वहीं, करण

जौहर और शशांक को भी यह लगता है कि, पिक्चर में और भी मजेदार चीजें जोड़ी जा सकती हैं. दरअसल फिल्म में डेस्टिनेशन वेडिंग वाला एक स्पेशल मोमेंट होने वाला है. अब मेकर्स इसके इर्द-गिर्द एक और शेड्यूल बनाने की प्लानिंग कर रहे हैं. ऐसे में वरुण धवन और जान्हवी कपूर समेत पूरी कास्ट इस शेड्यूल का हिस्सा होने वाली है.

कुल मिलाकर मेकर्स फिल्म को पहले से ज्यादा बेहतर बनाना चाहते हैं. ऐसे में उन्हें लगता है कि अभी इस पिक्चर में कुछ कमी रह गई है. पर अब इसे ठीक करने की प्लानिंग बना ली गई है. दरअसल इस वक्त झांसी में 'बॉर्डर 2' की शूटिंग चल रही है, जहां वरुण धवन बिजी हैं. पर सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का काम पूरा करने के लिए वो फरवरी के एंड तक ब्रेक लेंगे.

हाल ही में आई रिपोर्ट से पता लगा कि, 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के नए शूट शेड्यूल में दो गानों का भी शूट होगा. इसके साथ ही कुछ और जरूरी सीक्वेंस भी शामिल हैं, जिसके प्रोडक्शन में करीब 25 दिन का समय लगेगा. इस दौरान यह भी पता लगा वरुण-जान्हवी पर फिल्माए गए एक गाने की शूटिंग मुंबई के मड आइलैंड में होगी. दरअसल वहां खास तौर पर एक सेट बनाया गया है. वहीं जिस गाने को गणेश आचार्य कोरियोग्राफ कर रहे हैं, उसके लिए 50 बैकग्राउंड डांसर लिए गए हैं.

भाई-भाई का होगा राज

साल 2025 के लिए देओल ब्रदर्स ने तगड़ी प्लानिंग कर रखी है. इस साल दोनों की एक-दो नहीं, बल्कि कई फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हैं. यूं तो साल 2023 से ही दोनों भाई गर्दा उड़ा रहे हैं. पर पिछले साल सिर्फ बॉबी की फिल्में आईं थी. इस साल भी लॉर्ड बॉबी शुरुआत कर चुके हैं. उनकी साउथ फिल्म ने 100 करोड़ से ज्यादा कमाए हैं. दोनों भाई इस साल बॉक्स ऑफिस पर राज करेंगे. ऐसा हम नहीं, उनके आने वाली फिल्में बता रही हैं, जिनपर वो फिलहाल काम कर रहे हैं.यूं तो सनी देओल के खाते में कई फिल्में हैं. पर इस साल 4 फिल्में आने की खबरें हैं. दरअसल सनी पाजी की जाट 10 अप्रैल को आ रही है. वहीं 3 फिल्मों को लगभग कंफर्म बताया जा रहा है. उसकी लिस्ट जानने से पहले बॉबी देओल की पिक्चरों पर बात कर लेते हैं.

12 जनवरी को बॉबी देओल की डाकू महाराज रिलीज हुई थी. फिल्म में बॉबी देओल विलेन बने थे, जिसमें उनका गजब का लुक और खूंखार अंदाज देखने को मिला था. पिक्चर ने 100 करोड़ से कई ज्यादा कमाई की है. अब मार्च में उनकी हरी हरा वीरा मल्लू फिल्म आ रही है. पिक्चर में वो औरंगजेब का किरदार निभा रहे हैं, उनका लुक एकदम धांसू था.

इस साल आर्यन खान बतौर डायरेक्टर डेब्यू करने जा रहे हैं. इस सीरीज 'The Ba***ds of Bollywood' में बॉबी देओल भी हैं. जिसका काफी वक्त पहले ही पता लग गया है. वहीं असली गेम तो क्रिसमस पर होने वाला है. दरअसल आलिया भट्ट की अल्फा 25 दिसंबर को आएगी. इस फिल्म में बॉबी देओल विलेन बन रहे हैं. यूं तो इस पिक्चर का सबसे ज्यादा इंतजार है, क्योंकि यह YRF की पहली फीमेल स्पाई फिल्म है.

सनी पाजी की फिल्में कब आने वाली हैं, वो पहले ही हिंट दे चुके हैं. 10 अप्रैल को जाट को लाने का ऐलान कर दिया गया है. इसके बाद लाइन में उनकी लाहौर 1947 भी है. यूं तो ऐसी चर्चा है कि अगस्त में मेकर्स इसे रिलीज करने की प्लानिंग कर रहे हैं. दरअसल फिल्म को आमिर खान प्रोड्यूस कर रहे हैं. वहीं इस फिल्म में उनके कैमियो होने की खबरें भी हैं.

इसी साल सनी देओल की सफर आने की भी चर्चा चल रही है. ऐसा कहा गया है कि इस पिक्चर में सलमान खान का कैमियो होने वाला है. पर फिल्म कब आएगी, फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है.

इसके अलावा बाप को लेकर हाल ही में विलेन कबीर दुहान सिंह ने बड़ा अपडेट दिया था. फिल्म का काम पूरा हो चुका है. वहीं, फिल्म को इसी साल रिलीज करने के लिए रखा गया है.

दोनों भाइयों की 7 फिल्में आ रही हैं. वहीं बॉबी देओल की एक पिक्चर पहले ही रिलीज हो चुकी है. फिल्म ने 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है. अब देखना होगा क्या बॉक्स ऑफिस पर देओल ब्रदर्स अपने नाम के झंडे गाड़ पाते हैं या नहीं.

वीर पहाड़िया पर जोक सुनाना कॉमेडियन को पड़ गया भारी

वीर पहाड़िया इन दिनों सुर्खियों का हिस्सा बने हुए हैं. उन्होंने फिल्म स्काई फोर्स से बॉलीवुड में कदम रखा है. स्काई फोर्स के बाद से वीर हर जगह छा रहे हैं. अब वीर के फैंस ने हाथापाई कर दी है. जिसके बाद वीर को माफी मांगनी पड़ रही है. दरअसल कॉमेडियन प्रणित ने वीर को लेकर अपने शो में मजाक उड़ाया था. जिसके बाद कुछ लोगों ने आकर उन्हें धमकी दी और मार पिटाई भी हुई.

कॉमेडियन प्रणित ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके इस घटना की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि सोलापुर में एक शो के दौरान उन्होंने वीर को लेकर कुछ मजाक किया. शो के बाद कुछ लोग उनके साथ सेल्फी ले रहे थे.जब भीड़ कम हुई तो 11-12 लोग आए और वो खुद को फैन बता रहे थे.

प्रणित ने अपने पोस्ट में बताया कि वो लोग मारने के इरादे से आए थे. उन्होंने बुरी तरह से लात-घूसों से पिटाई की और घायल हालत में छोड़कर चले गए.

इन लोगों ने पिटाई के दौरान कहा- 'अगली बार वीर पहाड़िया बाबा पर जोक मारके दिखा'. वीर को इस बारे में पता चला है तो उन्हें बहुत दुख हो रहा है.

वीर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा- कॉमेडियन प्रणित के साथ जो हुआ उससे मैं शॉक्ड और दुखी हूं. मैं ये साफ कर देना चाहता हूं कि इस घटना से मेरा कोई लेना-देना नहीं है. मैं किसी भी तरह की हिंसा का विरोध करता हूं. मैं किसी को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहूंगा.'वीर ने आगे लिखा-जो हुआ उसके लिए मुझे माफ कर दें.

किसी के भी साथ ऐसा नहीं होना चाहिए. मैं पूरी तरह कोशिश करूंगा कि जिसने भी ये किया है, उसे इसकी सजा मिले.

बता दें स्काई फोर्स में वीर के साथ अक्षय कुमार और सारा अली खान अहम किरदार निभाते नजर आए हैं. ये फिल्म 24 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी.

बेटे अभिषेक के बर्थडे पर इमोशनल हुए बिग बी

एक्टर अभिषेक बच्चन को 49वें जन्मदिन के अवसर पर उनके पिता और मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने खास तस्वीर के साथ शुभकामनाएं दीं. सोशल मीडिया पर नवजात अभिषेक (1976) की तस्वीर के साथ बिग बी ने कहा कि समय तेजी से आगे निकल गया.

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक्टिव अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर शेयर की. तस्वीर में अमिताभ मैटरनिटी वार्ड में नवजात अभिषेक के पास खड़े नजर आए, जहां उनके साथ स्टाफ नजर आ रहा है. मोनोक्रॉम तस्वीर के साथ अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, " अभिषेक 49 वर्ष के हो गए और अब नए साल में प्रवेश कर रहे हैं. 5 फरवरी 1976 का वो दिन था... समय तेजी से बीत गया!"

उन्होंने आगे लिखा, "कभी-कभी मन को उत्तेजित करने और जो कहा जाना चाहिए, उसे व्यक्त करने की इच्छा होती है. मगर दुनिया भर में फैले सूचना ब्यूरो जरूरी नहीं कि आपकी लिखित भावनाओं को समझें, जिससे यह विकृत हो जाती है."अभिषेक को जन्मदिन की शुभकामना देने के साथ ही अपने कैप्शन से अमिताभ ने उन लोगों की ओर भी इशारा किया, जो सोशल मीडिया और न्यूज मीडिया में बिना तथ्यों के साथ किसी भी बात को प्रश्नवाचक चिन्ह संग शेयर करते हैं.

उन्होंने आगे लिखा, "इस वजह से इसे व्यक्त करने के बजाय अपने भीतर ही रखना चाहिए और इसे व्यक्त करने से बचना चाहिए. इसे मौन की ताकत की जरूरत नहीं है बल्कि इसे बिना शर्त कमेंट करने की संतुष्टि की जरूरत है, बजाय इसके कि इसे वायरल किया जाए क्योंकि

एक 'निश्चित रूप से' कही बात कई असंबंधित लोगों को जन्म देती है. काम करें और आनंद लें. सबसे अच्छा समय बिताया."

अभिषेक ने साल 2000 में करीना कपूर खान के साथ फिल्म 'रिफ्यूजी' से बतौर लीड एक्टर करियर की शुरुआत की थी. अभिषेक के करियर का शुरुआती दौर कई असफल फिल्मों से भरा रहा. अभिनेता साल 2004 की ब्लॉकबस्टर 'धूम' में नजर आए.

'मुफासा द लॉयन किंग' ओटीटी पर मचाएगी धमाल

डिज्नी की 'मुफासा: द लायन किंग' साल 2024 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक थी. बैरी जेनकिंस फिल्म द लायन किंग की 2019 रीमेक का प्रीक्वल थी. म्यूजिकल , लाइव-एक्शन ड्रामा का वर्ल्ड वाइड प्रीमियर 9 दिसंबर, 2024 को लॉस एंजिल्स के डॉल्बी थिएटर में हुआ था. इसके बाद, इसे 20 दिसंबर को अमेरिका में रिलीज़ किया गया, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की. वहीं भारत में भी इस मूवी को काफी पसंद किया गया था और इसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की थी. वहीं जो लोग इस मूवी को थिएटर में नहीं देख पाए उनके लिए गुड न्यूज है. दरअसल ये फिल्म जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है. चलिए जानते हैं ये कब स्ट्रीम होगी.

हालांकि फैंस अभी इसे रेंट पर देख सकेंगे. यानी फिल्म को देखने के लिए ओटीटी पर पैसे खर्च करने पड़ेंगे. लेकिन अच्छी बात ये है कि 1 अप्रैल से ये फिल्म फ्री में देखी जा सकेगी.

मुफासा: द लायन किंग वॉल्ट डिज़्नी एनिमेशन स्टूडियो के लाइव-एक्शन स्टोरीज के कलेक्शन का लेटेस्ट एडीशन है. इस फिल्म ने वर्ल्डवाइज बॉक्स ऑफिस पर लगभग 653 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कमाई की थी. 2024 में जारी प्रीक्वल में मुफासा की शुरुआती लाइफ दिखाई गई है.

बता दें कि मुफासा: द लायन किंग के लिए शाहरुख खान और उनके दोनों बेटों आर्यन खान और अबराम खान ने डब किया था. वहीं इसके तेलुगु वर्जन को महेश बाबू ने अपनी आवाज में डब किया था. वहां सैकनिल्क के मुताबिक इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 133.6 करोड़ का नेट कलेक्शन किया था.

हर्षा रिछारिया के फर्जी अकाउंट से पैसे मांग रहे ठग

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ जोरों से चल रहा है. संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु त्रिवेणी पहुंच रहे हैं. इसी कुंभ में एक महिला शामिल हुई हैं, जिनकी पिछले काफी समय से चर्चा है कि वो महाकुंभ की 'सबसे सुंदर साध्वी' हैं. उनका नाम है हर्षा रिछारिया. कुछ वक्त पहले हर्षा की काफी सारी फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं. एक बातचीत के दौरान उन्होंने खुद को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बताया था. लेकिन अब खबर आ रही है कि हर्षा रिछारिया की फेक प्रोफाइल बनाकर लोगों से पैसे मांगे जा रहे हैं. इस बात की जानकारी खुद उन्होंने ही दी है.

हर्षा रिछारिया ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो में वो बता रही हैं कि उनका फर्जी अकाउंट बनाकर लोगों से पैसे मांगे जा रहे हैं और उनके साथ धोखाधड़ी हो रही है.

हर्षा का कहना है कि अगर आपके पास किसी भी तरह से ऐसा कोई भी मैसेज आता है तो प्लीज उनको बताएं.हर्षा रिछारिया ने अपने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर कहा,"मुझे हर्षा रिछारिया के नाम से आप सभी जानते हैं. लेकिन अब सबसे बड़ी बात ये है कि मेरे नाम से इंस्टाग्राम, फेसबुक और ट्विटर पर हजारों फेक अकाउंट्स बन चुके हैं. जब तक ये फेक अकाउंट्स थे तब तक मुझे कोई दिक्कत नहीं थी. लेकिन अब बात थोड़ी ज्यादा बढ़ चुकी है, क्योंकि अब इन फर्जी आईडी के जरिए लोगों से पैसों की डिमांड की जा रही है. इसमें मेरा कहीं से कोई लेना-देना नहीं है. मेरा सिर्फ एक अकाउंट है, जिस पर मैं ये वीडियो डाल रही हूं. इसके अलावा किसी भी अकाउंट और आईडी को मैं नहीं जानती हूं."

पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी से पहले बड़ा झटका

नितिन मेनन ने पाकिस्तान जाने से किया इनकार

नई दिल्ली.

पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी से पहले एक और बड़ा झटका लगा है. बड़ी खबर है कि अंपायर नितिन मेनन ने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक आईसीसी पैनल में शामिल ये अंपायर पाकिस्तान नहीं जा रहा है. इससे पहले भारतीय टीम ने भी पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था, अब भारतीय अंपायर नितिन मेनन ने भी ये फैसला लेकर पीसीबी को बड़ा झटका दिया है. यही वजह है कि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए जारी अंपायरों की लिस्ट में नितिन मेनन का नाम ही नहीं है.

ये अंपायर करेंगे चैंपियंस ट्रॉफी में अंपायरिंग

चैंपियंस ट्रॉफी में कुमार धर्मसेना, क्रिस गैफनी, माइकल गॉफ, एड्रियन होल्डस्टॉक, रिचर्ड इलिंगवर्थ, रिचर्ड केटलब्रॉ, एहसान रजा, पॉल राइफल, शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, रॉडनी टकर, एलेक्स वॉर्फ, जोएल विल्सन बड़ी खबर ये है कि भारत के पूर्व तेज गेंदबाज और आईसीसी के बेहद अनुभवी मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ भी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हैं. उन्हें भी मैच रेफरी के पैनल में मौका नहीं मिला है. डेविड बून, एंड्रयू पायक्रॉफ्ट और रंजन मदुगले चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान मैच रेफरी रहेंगे.

नितिन मेनन 40 टेस्ट में अंपायरिंग कर चुके हैं, जिसमें वो 30 बार मैदान और 10 बार टीवी अंपायर रहे. वनडे में वो 75 मैचों में अंपायरिंग कर चुके हैं. जबकि टी20 में भी उन्होंने 75 मैचों में अंपायरिंग की है. वो 13 महिला टी20 इंटरनेशनल मैचों में भी अंपायरिंग कर चुके हैं. जवागल श्रीनाथ का बतौर मैच रेफरी करियर काफी बड़ा है. ये दिग्गज 79 टेस्ट, 272 वनडे मैचों में मैच रेफरी रह चुका है. इसके अलावा 136 टी20 मैचों में भी उन्होंने ये काम किया है. हाल ही में श्रीनाथ विवादों में आए थे, जब उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पुणे टी20 में भारतीय टीम को सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी देने के फैसले पर मुहर लगाई थी. श्रीनाथ ने शिवम दुबे के चोटिल होने के बाद हर्षित राणा को रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के तौर पर खिलाने की इजाजत दी थी जिसके बाद काफी ज्यादा विवाद हुआ.

बीसीसीआई ने रोहित शर्मा से भविष्य को लेकर मांगा जवाब

नई दिल्ली.

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा की खराब फॉर्म ने बीसीसीआईको भी बड़ी टेंशन दे दी थी. इसके बावजूद बीसीसीआई ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए रोहित शर्मा को ही अपना लीडर चुना और उन पर भरोसा जताया. हालांकि चैंपियंस ट्रॉफी के बाद रोहित शर्मा को अपना फ्यूचर प्लान बीसीसीआई को बताना होगा. रोहित शर्मा अब अपने करियर के अंतिम दौर में हैं. अप्रैल 2025 में रोहित 38 साल के हो जाएंगे और उनके संन्यास लेने की खबरें अक्सर तूल पकड़ती हैं. अबबीसीसीआई ने सख्ती दिखाते हुए रोहित से जवाब मांग लिया है.

टीम इंडिया के सेलेक्टर्स साल 2027 के वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए प्लानिंग करना चाहते हैं. ऐसे में रोहित शर्मा का स्टैंड भी क्लियर होना चाहिए. माना जा रहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट के बाद टीम इंडिया बदलाव के दौर से गुजर सकती है. रोहित शर्मा का फ्यूचर भी चैंपियंस ट्रॉफी पर निर्भर करेगा. उन्हें इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करना होगा. टूर्नामेंट के खत्म होने के बाद रोहित शर्मा को अपना फ्यूचर प्लान बीसीसीआई के सामने रखना पड़ेगा. अब ये तो वक्त ही बताएगा कि रोहित शर्मा का करियर चैंपियंस

ट्रॉफी के बाद किस तरफ मुड़ता है? क्या वो संन्यास ले लेंगे या फिर आगे भी खेलना जारी रखेंगे?

अगली (डब्ल्यूटीसी) और वनडे वर्ल्ड कप की प्लानिंग कर रही है बीसीसीआई

बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, 'सेलेक्टर्स ने इस मामले को लेकर रोहित से पिछली मीटिंग के दौरान चर्चा की थी. रोहित को कहा गया था कि उन्हें ये फैसला लेना होगा कि वो चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अपने फ्यूचर को किस तरह से देखते हैं. क्योंकि टीम मैनेजमेंट ने आने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) और 2027 के वनडे वर्ल्ड कप के लिए कुछ प्लानिंग की है. टीम मैनेजमेंट सुनिश्चित करना चाहता है कि सभी लोग एक सहज बदलाव के लिए एक ही पेज पर हों'.

टीम इंडिया 20 फरवरी से चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत करेगी.

इससे पहले 6 फरवरी से भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज शुरू हो रही है. वनडे सीरीज में भी टीम इंडिया की कमान रोहित के हाथों में हैं. रोहित के सामने इस सीरीज में भी शानदार प्रदर्शन करने की चुनौती होगी.

सिमोना हालेप ने टेनिस को कहा अलविदा

नई दिल्ली.

दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिमोना हालेप ने टेनिस से संन्यास ले लिया हैं।

रोमानिया की टेनिस स्टार हालेप ने इटली की लूसिया ब्रोंजेटी से 6-1, 6-1 से पहले दौर की हार के बाद ट्रांसिल्वेनिया ओपन में कोर्ट पर अपने संन्यास की घोषणा की। मैच के बाद हालेप ने कहा, मैंने अपनी अंतरआत्मा से यह फैसला किया है। मैं विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बनी, मैंने ग्रैंड स्लैम जीते, यह अच्छी बात रही मैं यही सब चाहती थी। जीवन ऐसे ही चलता रहता है, टेनिस के बाद भी जीवन है और मुझे उम्मीद है कि हम एक-दूसरे से फिर मिलेंगे.

अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप की चैंपियन गोंगडी त्रिशा को 1 करोड़ का पुरस्कार

हैदराबाद. हाल ही में अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप मलेसिया में खेला गया था. टीम इंडिया ने इस टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन किया और साउथ अफ्रीका को हराकर खिताब अपने नाम किया. इसी के साथ भारतीय टीम ने अपने टाइटल को डिफेंड भी किया. इससे पहले 2023 में भी भारत ने ही अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप में बाजी मारी थी. इस बार टूर्नामेंट में टीम इंडिया की सबसे बड़ी मैच विनर तेलंगाना की एक खिलाड़ी रही. इस खिलाड़ी के लिए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बड़ा ऐलान किया है. ये वर्ल्ड कप भारत की युवा खिलाड़ी गोंगडी त्रिशा के लिए काफी अच्छा रहा. उन्होंने लगभग हर मुकाबले में रन बनाए और टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई. वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज भी रहीं. ऐसे में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने उभरती हुई महिला क्रिकेटर गोंगडी त्रिशा को एक करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार देने का ऐलान किया है. तेलंगाना के भद्राचलम की रहने वाली त्रिशा ने मुख्यमंत्री से उनके आवास पर मुलाकात भी की. धृति केसरी को 10 लाख रुपए का नकद पुरस्कार देने का ऐलान किया गया. वहीं, टीम की हेड कोच नौशीन अल खादिर और ट्रेनर शालिनी को भी 10-10 लाख रुपए दिए जाएंगे.गोंगडी त्रिशा अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप 2025 में 7 मैचों की 7 पारियों में 76.25 की औसत और 147.34 से 305 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने एक शतक भी जड़ा. बता दें, गोंगडी त्रिशा इस टूर्नामेंट में शतक जड़ने वाली पहली बल्लेबाज बनीं. वह इस टूर्नामेंट के एक एडिशन में 300 रन का आंकड़ा छूने वाली भी इकलौती बल्लेबाज हैं. इसके अलावा उन्होंने गेंद से भी कमाल किया. उन्होंने फाइनल मैच में अपने 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 15 रन खर्च किए और 3 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया.

गुजरात जायंट्स ने एश्ले गार्डनर को बनाया टीम का कप्तान

नई दिल्ली.

गुजरात जायंट्स ने वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के लिए ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर को टीम का कप्तान बनाया है।एश्ले गार्डनर को बेथ मूनी की जगह गुजरात जायंट्स का कप्तान बनाया है। जायंट्स के मुख्य कोच माइकल क्लिंगर ने कहा, "मैं मूनी को उनके अत्यधिक मूल्यवान नेतृत्व के लिए धन्यवाद, अब वह विकेटकीपिंग और ओपनिंग बल्लेबाजी लाइनअप पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगी। वह हमारे टीम की एक प्रमुख खिलाड़ी बनी हुई हैं।"

ऋषभ पंत ने शुरू किया 'द ऋषभ पंत फाउंडेशन

-जरूरतमंदों की मदद का उद्देश्य

नई दिल्ली.भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने सोशल मीडिया पोस्ट किया है. इस पोस्ट के माध्यम से विकेटकीपर बल्लेबाज ने बताया है कि वह एक नई शुरूआत करने जा रहे हैं. दरअसल, ऋषभ पंत एक फाउंडेशन की शुरूआत कर रहे हैं. इस फाउंडेशन का नाम RPF यानि ऋषभ पंत फाउंडेशन होगा

सोशल मीडिया पर ऋषभ पंत ने वीडियो शेयर किया है. इसके अलावा उन्होंने पोस्ट में लिखा है- मुझे भगवान और जिंदगी का बहुत प्यार मिला, ये मेरा सौभाग्य है कि आज मैं अपने सपनों को जी रहा हूं, मैं अपने देश के लिए क्रिकेट खेल रहा हूं. अब तक मुझे जितना प्यार, समर्थन और हिम्मत मिली है, उसके लिए तहे दिल

से आभारी हूं. मैं बखूबी जानता हूं कितना सौभाग्यशाली रहा हूं.

अब मुझे लगता है यह मेरे लिए सही समय है कि मैं ऑफ द फील्ड अपनी योजनाओं पर काम शुरू करूं. द ऋषभ पंत फाउंडेशन, दरअसल इसका उदेश्य साधारण हैं, जरूरतमंदों तक खुशियां पहुंचना है, उन चेहरों पर मुस्कुराहट लानी है. मुझे जिंदगी ने संघर्ष करना, उम्मीद रखना और मुस्कुराहट की ताकत को सीखाया है, अब मैं ये दूसरों के साथ साझा करना चाहता हूं. वहीं, इसके अलावा ऋषभ पंत ने वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो में विकेटकीपर बल्लेबाज अपनी रणनीति और द ऋषभ पंत फाउंडेशन के बारे में जानकारी दे रहे हैं.

"हरियाणा की सुरुचि ने 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण जीता"

देहरादून.

त्रिशूल शूटिंग रेंज में 38वें राष्ट्रीय खेल के अंतर्गत हुए शूटिंग मुकाबलों में देशभर के निशानेबाजों ने बुधवार को भी शानदार खेल दिखाया। आज दिन के मुख्य आकर्षणों में 10 मीटर एयर पिस्टल महिला फ़ाइनल और 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन्स पुरुष वर्ग का क्वालिफिकेशन दौर शामिल रहा। 10 मीटर एयर पिस्टल महिला फ़ाइनल में हरियाणा की सुरुचि ने 245.7 अंकों के शानदार स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। जबकि हरियाणा की ही पलक ने 243.6 अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया। पंजाब की सिमरनप्रीत कौर बरार ने 218.8 अंकों के साथ कांस्य पदक पर कब्जा जमाया।

इंग्लैंड-भारत वनडे सीरीज: कटक में टिकट बिक्री के दौरान अफरातफरी

कटक.

भारत और इंग्लैंड के बीच 6 फरवरी से 3 मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत होने जा रही है. इस सीरीज का पहला मैच नागपुर में खेला जाएगा. इसी बीच एक बड़ी खबर सामने आई है. दरअसल, सीरीज का दूसरा मैच कटक के बाराबती स्टेडियम में 9 फरवरी को होगा. इस मैच के ऑफलाइन टिकटों की बिक्री शुरू हो गई है. लेकिन टिकट खरीद के दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई, जिसमें कई फैंस के बेहोश होने की खबर आ रही है. वहीं, लोगों की भारी भीड़ को रोकने के लिए पुलिस को लाठी चार्ज के साथ वाटर कैनन का भी सहारा लेना पड़ा.

दरअसल, टीम इंडिया के इस मैच की टिकट के लिए क्रिकेट प्रेमी बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचे थे. लेकिन कुछ फैंस टिकट के लिए काउंटर पर चढ़ने लगे, जिसकी वजह से पुलिस को बुलाना पड़ गया. जिससे भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और पुलिस को सुरक्षा व्यवस्था संभालने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस भगदड़ में लगभग 10 लोगों के बेहोश होने की खबर आ रही है और 15 लोगों घायल बताए जा रहे हैं. मंगलवार की रात से ही लोग टिकट के लिए कतार में थे और फिर बुधवार की सुबह हालात बेकाबू हो गए. बता दें, बाराबती स्टेडियम की दर्शक क्षमता 44,574 की है. इसमें से 24,692 टिकट बिक्री के लिए उपलब्ध कराए हैं. बता दें, कटक में सालों बाद इंटरनेशनल क्रिकेट की वापसी होने जा रही है. बाराबती स्टेडियम में आखिरी इंटरनेशनल मैच 2022 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 मैच था. वहीं, पांच साल में पहली बार है जब विराट कोहली और रोहित शर्मा बाराबती स्टेडियम में खेलेंगे. कटक में ये दोनों स्टार खिलाड़ी आखिरी बार साल 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे मैच खेले थे, तब कोहली को भारत की जीत में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था.

इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन में जो रूट की वापसी

इंग्लैंड की टीम ने नागपुर वनडे के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है. मैच से 24 घंटे पहले ही इंग्लिश टीम ने जिन 11 खिलाड़ियों को चुना, उसमें से एक नाम बेहद चौंकाने वाला है. दरअसल इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन में जो रूट को जगह मिली है जो कि पूरे 452 दिन के बाद वनडे मैच खेलते नजर आएंगे. जो रूट आखिरी बार भारत में हुए वर्ल्ड कप में ही वनडे मैच खेले थे.वैसे इंग्लैंड की वनडे और टी20 टीम में ज्यादा अंतर नहीं है. ओपनर के तौर पर बेन डकेट और फिल सॉल्ट ही चुने गए हैं.

टीम में हैरी ब्रूक, लियम लिविंगस्टन भी चुने गए हैं. बस नंबर तीन पर जो रूट खेलते नजर आएंगे. इनके अलावा जैकब बेथल भी टीम का हिस्सा हैं. गेंदबाजी में ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, साकिब महमूद टीम में हैं. स्पिनर के तौर पर आदिल रशीद टीम में हैं.

नागपुर के मैदान पर भारत और इंग्लैंड की टीमें पहली बार भिड़ने वाली हैं. इंग्लैंड के लिए ये बेहद चिंताजनक है क्योंकि भारत को इस वेन्यू का अनुभव पहले से ही है. इस वेन्यू पर टीम इंडिया ने 6 में से 4 वनडे मैच जीते हैं. साफ है इस मैच पर दबदबा भारत का ही दिखाई दे रहा है.

भाजपा कार्यशाला से कुछ विधायक नदारद रहे

मुंबई.

यह बात सामने आई है कि संगठन पर्व प्रदेश कार्यशाला में अनुपस्थित रहे भाजपा विधायकों को मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने खूब सुनवाई की। क्षेत्रीय कार्यशाला कार्यक्रम मुम्बई में आयोजित किया गया। इस मौके पर उन्होंने बीजेपी पार्टी के संगठनात्मक कौशल पर टिप्पणी की, लेकिन दूसरी तरफ उसी पार्टी के कुछ विधायक इस कार्यक्रम से नदारद रहे.

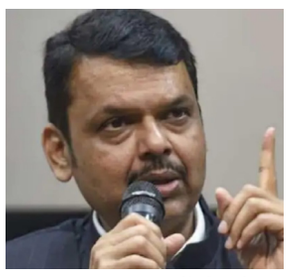

अनुपस्थित विधायकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने कहा, कुछ लोगों ने छुट्टी ले ली है और कुछ बिना बताए अनुपस्थित हैं। उनमें से कुछ से मेरी मुलाकात मंत्रालय में हुई है लेकिन वे कार्यशाला से अनुपस्थित हैं। तो मैं उनसे पूछता हूं कि क्या वे कार्यशाला से अनुपस्थित हैं? अंत में हम उन्हें जिम्मेदार ठहराते हैं जो काम करते हैं, न कि उन्हें जो अनुपस्थित रहते हैं। इसलिए अध्यक्ष व क्षेत्रीय अध्यक्ष को पूछना चाहिए. मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये हैं कि स्पष्टीकरण भी मांगा जाये.

इस बीच, कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने कहा, हम सभी जानते हैं कि भारतीय जनता पार्टी देश की एकमात्र पार्टी है जो ईमानदारी से अपना संगठन चला रही है। देश की हर पार्टी को अपना संविधान बनाकर चुनाव आयोग में पंजीकृत कराना होता है और उस संविधान के अनुरूप लोकतांत्रिक तरीके से अपना पूरा ढांचा खड़ा करना होता है। भले ही यह विचार कानूनन सही हो, लेकिन अगर कोई पार्टी है जिसने संविधान के अनुरूप ऐसी पूर्णतया जन-तकनीकी व्यवस्था बनाई है, तो वह भारतीय जनता पार्टी है।

गर्ल्स हॉस्टल के टॉयलेट और बाथरूम में दरवाजा नहीं

कोप्पल.

कर्नाटक के कोप्पल जिले के बेटगेरी में स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) के गर्ल्स हॉस्टल को लेकर चौंकाने वाला मामला सामने आया है। विद्यालय के टॉयलेट और बाथरूम बिना दरवाजों के पाए गए, जिसके चलते सुरक्षा नियमों के उल्लंघन और सरकारी अनुदानों के दुरुपयोग के आरोपों में विद्यालय की प्रभारी शिक्षिका कस्तूरी बडिगेर के खिलाफ निलंबन का आदेश जारी किया गया है।

गाजा पट्टी को अपने अधीन लेगा अमेरिका', भड़क गया हमास

दुबई: फलस्तीनियों को गाजा से निकालकर किसी अन्य जगह फिर से बसाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्ताव पर पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। कतर से पूरे अरब में प्रसारण करने वाले समाचार चैनल 'अल जजीरा' ने ट्रंप की टिप्पणियों को 'अप्रत्याशित घोषणा' करार दिया है। अल जजीरा संघर्ष विराम के लिए एक प्रमुख वार्ताकार रहा है।

हमास ने कहा कि वह ट्रंप के इस सुझाव को खारिज करता है कि गाजा निवासियों को क्षेत्र छोड़ देना चाहिए। हमास ने एक बयान में कहा, ''नरसंहार और विस्थापन के अपराध के लिए 'जायोनी' (यहूदियों की सुरक्षा के लिए

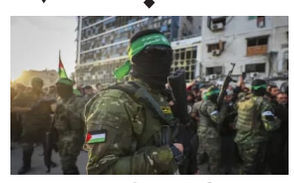

एक स्वतंत्र यहूदी राज्य की वकालत करने वाले राष्ट्रवादी) को जिम्मेदार ठहराने के बजाय, उन्हें एक तरह से सम्मानित किया जा रहा है और दंडित होने से बचाया जा रहा है।'' बयान में कहा गया, ''हम ट्रंप के उन बयानों को खारिज करते हैं जिसमें उन्होंने कहा कि गाजा पट्टी के निवासियों के पास वहां से चले जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है और हम उन्हें क्षेत्र में अराजकता और संघर्ष की वजह मानते हैं।''

डोनाल्ड ट्रंप ने क्या कहा?

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ''गाजा पट्टी को अपने अधीन लेगा'', ''इस पर अधिकार करेगा'' और वहां आर्थिक विकास करेगा जिससे लोगों के लिए बड़ी संख्या में रोजगार और आवास'' उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा, ''अमेरिका गाजा पट्टी को अपने अधीन लेगा और हम इसे विकसित करेंगे। इस पर हमारा अधिकार होगा और वहां मौजूद सभी खतरनाक बमों और अन्य हथियारों को निष्क्रिय करने, जगह को समतल करने और तबाह हो चुकी इमारत को हटाने की जिम्मेदारी हमारी होगी।'' उन्होंने कहा, ''एक ऐसा आर्थिक विकास करेंगे जो क्षेत्र के लोगों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर पैदा करेगा और आवास उपलब्ध कराएगा।

केजरीवाल परिवार के साथ वोट डालने मतदान केंद्र पहुंचे

नई दिल्ली.

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भी अपने पूरे परिवार के साथ वोट डालने मतदान केंद्र पर पहुंचे। केजरीवाल अपने घर माता-पिता को व्हील चेयर पर लेकर घर से निकले। केजरीवाल ने मतदान के बाद मीडियाकर्मियों से बात की.

अरविंद केजरीवाल ने कहा, "...मैं दिल्ली के सभी लोगों से विनती करना चाहूंगा कि सब लोग वोट डालने के लिए अपील कि थी.और अपने-अपने मताधिकार का प्रयोग करें। दिल्ली के विकास के लिए सभी लोग वोट डालें ऐसी ही मेरी सभी लोगों से विनती की.। जाहिर तौर पर जो काम करेगा उन्हीं को जनता वोट देगी।"

बहुत समझदार हैं दिल्ली के लोग

वहीं अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने कहा, "दिल्ली के लोग बहुत समझदार हैं। उन पर हमें पूरा विश्वास है। वे गुंडागर्दी नहीं बर्दाश्त करेंगे। हमें पूरा विश्वास है कि दिल्ली के लोग सही चुनाव करेंगे।" बता दें कि आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। आदमी पार्टी (आप) अपनी शासन व्यवस्था और कल्याणकारी योजनाओं के दम पर तीसरी बार लगातार जीत की उम्मीद कर रही है, वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस वापसी की उम्मीद कर रही हैं।

स्वीडन के स्कूल में गोलीबारी, 10 लोगों की मौत

स्टॉकहोम: मध्य स्वीडन के स्कूल में गोलीबारी की खबर है। इस गोलीबारी में दस लोग मारे गए हैं। खबर लिखे जाने तक ये सामने नहीं आ पाया है कि मृतकों में बंदूकधारी शामिल हैं या नहीं। हालांकि अभी यह पता नहीं लग सका है कि इस गोलीबारी में कितने लोग घायल हुए हैं। ऑरेब्रो के बाहरी क्षेत्र में ये गोलीबारी हुई है। अचानक हुई इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया, जिसके बाद फौरन पुलिस मौके पर पहुंची। जिस जगह पर ये गोलीबारी हुई है, वह स्टॉकहोम से करीब 200 किलोमीटर की दूरी पर है। स्थानीय पुलिस प्रमुख रॉबर्टो एड फोरेस्ट का कहना है कि ये घटना कैसे हुई, इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि गोलीबारी स्कूल (भवन) के अंदर हुई है या कहीं और। जिस स्कूल में ये गोलीबारी हुई है.

पब्लिक प्लेस पर थूकने वालों के आने वाले हैं बुरे दिन

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू चबाते हुए या पान मसाला चबाते हुए थूकने की आदत रखने वालों के लिए मुश्किल दिन आने वाले हैं, क्योंकि आगामी बजट विधानसभा सत्र में एक विधेयक पेश किया जाएगा, जिसमें ऐसे अपराधों के लिए भारी जुर्माना का प्रावधान होगा। मंगलवार को राज्य सचिवालय नबन्ना में पश्चिम बंगाल कैबिनेट की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। राज्य कैबिनेट के एक सदस्य ने कहा कि मुख्यमंत्री ने खुद सार्वजनिक स्थानों पर थूकने, तंबाकू चबाने, पान के बचे हुए हिस्से या पान मसाला चबाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर दुख व्यक्त किया है।

सीएम ममता बनर्जी ने कैबिनेट मीटिंग में कही ये बात

एक कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सीएम ममता बनर्जी ने गुटखा और पान खाकर दीवारों और पब्लिक प्लेस पर थूकने वालों की निंदा की और कहा कि इस तरह की थूकने की प्रवृत्ति अक्सर नई पेंट की गई दीवारों या फुटपाथों पर होती है, जो राज्य सरकार के सौंदर्यीकरण प्रयासों में बाधा बन रही है।

जुर्माने का राशि अभी तय नहीं

सीएम के इस बयान के बाद इस तरह के अपराधों के लिए भारी वित्तीय दंड के प्रावधानों के साथ विधेयक को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। हालांकि जुर्माने की सही मात्रा अभी तय नहीं हुई है, लेकिन सूत्रों ने कहा कि संभावना है कि हर बार ऐसे किसी भी अपराध के लिए 1,000 रुपये जुर्माना लगाया जाए।

अभी तक 200 रुपये है जुर्माने का प्रावधान

पश्चिम बंगाल सार्वजनिक स्थान पर थूकने की रोकथाम अधिनियम, 2003 नामक एक अधिनियम पहले से ही लागू है, जिसमें सार्वजनिक स्थानों पर थूकने के लिए अधिकतम जुर्माना 200 रुपये तय किया गया है। हालांकि अक्सर सवाल उठाए जाते रहे हैं, क्योंकि जुर्माना राशि बहुत कम है। शायद, इसीलिए नए विधेयक में जुर्माने की राशि में कम से कम पांच गुना बढ़ोतरी का प्रस्ताव किया गया है।

अपने क्रिमिनल्स हमारी जेलों में भेजो, राष्ट्रपति नायब बुकेले

सैन सल्वाडोर: एल साल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले ने मंगलवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक ऐसा ऑफर दिया है जो शायद उन्हें बहुत पसंद आए। बुकेले ने अमेरिका से कहा है कि अगर वह चाहे तो अपने अपराधियों को अल सल्वाडोर की जेलों में बंद करने के लिए भेज सकता है। उन्होंने कहा कि हम अपनी जेलों में अमेरिका के सजायाफ्ता कैदियों को लेंगे। बुकेले ने साथ ही यह भी साफ किया कि इस काम के लिए वह अमेरिका से पैसे लेंगे। अगर अमेरिकी कैदियों को 'ठीक करने' के बुकेले के प्रस्ताव को अमली जामा पहनाया जाता है तो अमेरिका की जेलों पर बोझ कम हो जाएगा। बता दें कि ऐसा कोई हालिया उदाहरण नहीं है जहां किसी लोकतांत्रिक देश ने अपने नागरिकों को विदेशों की जेलों में भेजा हो।

नोएडा के कई बड़े स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

>भागते-भागते पहुंचे बच्चों के पेरेंट्स

नोएडा.

दिल्ली से सटे यूपी के नोएडा में कई नामचीन स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल मिले हैं। ई-मेल में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। उनमें हेरिटेज स्कूल और मयूर स्कूल का नाम शामिल है। स्कूल से बच्चों के पेरेंट्स को इमरजेंसी कॉल किया गया है और सभी बच्चों को घर भेजा जा रहा है। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है और हालात संभालने में जुटी है।

1 महीने पहले रात 12 बजे आया था स्कूल में मेल

इससे पहले दिसंबर, 2024 को भी नोएडा के थाना सेक्टर 126 क्षेत्र में लोटस वैली इंटरनेशनल स्कूल को देर रात 12 बजे एक ई-मेल आया था। इसमें स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। सुबह स्कूल पहुंची प्रधानाचार्य ने जब मेल चेक किया तो बम से उड़ाने की धमकी का ई-मेल पढ़ा। मेल पढ़कर वह घबरा गईं और स्कूल के स्टाफ को बुलाया और मेल के बारे में बताया।

बच्चों को घर भेजा गया

इसके बाद स्कूल प्रबंधन ने इसके बारे में पुलिस को फोन कर सूचना दी। इसके साथ ही स्कूल पहुंचे बच्चों को वापस घर भेज दिया गया। जो स्कूली वाहन बच्चों को लेकर स्कूल की ओर बढ़ रहे थे, उनके स्टाफ को इसके बारे में बताया गया और वापस बच्चों को घर छुड़वाया गया। इसके बाद स्कूल बंद कर दिया गया था। स्कूल में करीब 2 घंटे तक सर्च ऑपरेशन चला लेकिन इसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था।

ओडिशा के राउरकेला में मालगाड़ी पटरी से उतरी

*** बस्ती में जा घुसी बोगी**
*** बढ़ी लोगों की परेशानी**

राउरकेला:

ओड़िशा के राउरकेला के मालगोदम बस्ती इलाके में एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई, जिससे इलाके में बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है। ट्रेन की तीन बोगियां ट्रैक से उतरकर पास की बस्ती में घुस गईं। इस हादसे के कारण मालगोदम रेलवे गेट और बसंती रोड के बीच का मुख्य रास्ता बंद हो गया है, जिससे वहां से गुजरने वाले लोगों को काफी दिक्कत हो रही है। रेलवे और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं और गिरी हुई

बोगियों को हटाने का काम तेजी से चल रहा है।

मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी

राउरकेला एसपी के मुताबिक "प्राथमिक सूचना के अनुसार रेलवे के किसी तकनीकी संचालन के दौरान ये हादसा हुआ है। हादसे में अब तक किसी के आहत होने या किसी की जान जाने की सूचना नहीं मिली है। हम फिर भी राहत बचाव कार्य चला रहे हैं और स्थिति स्वाभाविक करने की कोशिश कर रहे हैं। जाना जा रहा है कि इस रेल मार्ग पर जल्द ही रेल यातायात सुचारू रूप से चलने लगेगा।

बोगियां बस्ती में घुस गईं

रेलवे ने यह जानने के लिए जांच शुरू कर दी है कि यह हादसा कैसे हुआ। राहत की बात यह है कि अब तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है। दक्षिण पूर्वी रेलवे के सीपीआरओ ने बताया कि राउरकेला रेलवे यार्ड से जब खाली कंटेनर रेक को प्लेस किया जा रहा था तब बफर जोन और डेड एंड को तोड़ते हुए बोगियां पीछे बस्ती में घुस गईं। बोगियां खाली थीं। बोगियां दीवार तोड़ लगभग 10 मीटर आगे जा कर बस्ती में घुस गईं हैं। किसी के भी आहत होने की खबर नहीं है। लोगों से कहा गया है कि जब तक रास्ता पूरी तरह साफ नहीं हो जाता, वे दूसरा रास्ता अपनाएं और प्रशासन की बात मानें।

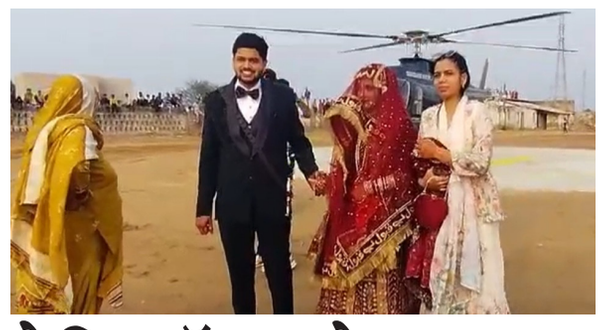

हेलिकॉप्टर से ससुराल पहुंची नई दुल्हन

झुंझुनूं:

राजस्थान के झुंझुनूं में एक अनोखी शादी चर्चा का विषय बनी हुई है। यहां के मंड्रेला कस्बे में मंगलवार को एक अनोखी शादी देखने को मिली, जब दूल्हा अपनी दुल्हन को हेलिकॉप्टर में विदा कराकर लाया। इस अनोखी शादी की पूरे क्षेत्र में चर्चा रही।

कस्बे के राजगढ़-झुंझुनूं रोड पर स्थित खान स्टोन कंपनी के वसीम खान की शादी मंगलवार को हनुमानगढ़ जिले के करणपुरा गांव निवासी नगमा बानो से हुई। शादी को खास बनाने के लिए वसीम खान हेलिकॉप्टर से बारात लेकर ससुराल पहुंचे। हेलिकॉप्टर के उतरते ही उन्हें देखने के लिए सैकड़ों लोग हेलिपैड पर उमड़ पड़े।

हेलिकॉप्टर से विदा हुई दुल्हन

शादी के बाद शाम को दूल्हा-दुल्हन हेलिकॉप्टर से मंड्रेला पहुंचे। इस दौरान हेलिकॉप्टर ने कस्बे के चारों ओर चक्कर लगाए और आसमान से फूलों की वर्षा की गई, जिससे माहौल बेहद खुशनुमा हो गया। हेलिकॉप्टर की गूंज सुनकर कस्बे के लोग छतों और सड़कों पर जमा हो गए। महिलाओं और बच्चों में हेलिकॉप्टर को देखने का खासा उत्साह रहा।

कस्बे में पहली बार आया हेलिकॉप्टर

मंड्रेला कस्बे में पहली बार हेलिकॉप्टर आने से लोगों में जबरदस्त उत्सुकता देखने को मिली। जैसे ही हेलिकॉप्टर उतरा, भारी भीड़ उसे देखने के लिए उमड़ पड़ी। हेलिपैड पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे, ताकि किसी तरह की अव्यवस्था न हो।

शाही शादी बनी चर्चा का विषय

हेलिकॉप्टर से बारात ले जाने और दुल्हन को विदा कराने की यह भव्य शादी पूरे झुंझुनूं जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है। लोगों ने कहा कि यह शादी एक यादगार लम्हा बन गई, जिसे कस्बे के लोग लंबे समय तक याद रखेंगे। जिस समय हेलिकॉप्टर जमीन पर उतरा, उस समय का नजारा ठीक वैसे ही था, जैसे किसी नेता के आने पर होता है। चारों तरफ लोग ही लोग नजर आ रहे थे और वह जमकर शोर मचा रहे थे।

मणिपुर में सेना ने 9 उग्रवादी किये गिरफ्तार

> हथियारों का जखीरा भी बरामद

इंफाल. मणिपुर में सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई की है। इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, काकचिंग और थौबल जिलों से विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के 9 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। इन गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से हथियारों का जखीरा भी बरामद हुआ है। मणिपुर पुलिस ने मंगलवार को ये जानकारी दी है।

*** सिटी मीतेई की 5 सदस्य गिरफ्तार**

पुलिस ने कहा कि कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (सिटी मीतेई) के 5 सदस्यों को सोमवार को इंफाल पूर्व जिले के मंत्रीपुखरी ठाकुरबाड़ी इलाके से गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से एक 9 एमएम की पिस्तौल, एक मैगजीन, 11 जिंदा राउंड गोला बारूद,

दो हथगोले और तीन मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।

*** एमसी और यूपीपीके के दो सदस्य गिरफ्तार**

पुलिस ने कहा कि जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (MC) प्रोग्रेसिव के एक सदस्य को सोमवार को इंफाल पश्चिम जिले के सिंगजामेई थोकचोम लेइकाई से गिरफ्तार किया गया। जबरन वसूली की गतिविधि में शामिल प्रतिबंधित यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी ऑफ कांगलीपाक (UPPK) के एक सदस्य को भी सोमवार को काकचिंग जिले के इरेंगबंद हवाइरोउ इलाके से गिरफ्तार किया गया। इस तरह कुल 7 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार उग्रवादियों से हो रही पूछताछ

पुलिस ने बताया कि रविवार को सुरक्षा बलों ने काकचिंग जिले के वबागई बाजार क्षेत्र से जबरन वसूली की गतिविधि में शामिल प्रतिबंधित कांगलेई यावोल कन्ना लूप के एक सक्रिय कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया। सुरक्षा बलों ने इन गिरफ्तार उग्रवादियों से पूछताछ करने में जुटी हुई है।

पीड़िता के मां-बाप संतुष्ट नहीं

कोलकाता.

कोलकाता आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर से रेप-मर्डर केस में अदालत दोषी संजय को मरते दम तक उम्रकैद की सजा सुना चुकी है। इस फैसले पर पीड़िता के मां-बाप संतुष्ट नहीं हैं। उनका दावा है कि जांच अधूरे मन से की गई और अपराध में कई अन्य दोषियों को बचाया गया। उन्होंने बुधवार को लोगों से अपील की कि वे नौ फरवरी को उनकी बेटी के 32वें जन्म दिन पर न्याय की मांग करते हुए सड़कों पर उतरें। एक वीडियो बयान में चिकित्सक के माता-पिता ने कहा कि वे तब तक लड़ाई जारी रखेंगे जब तक उनकी बेटी को न्याय नहीं मिल जाता है।

जो करेगा वो भरेगा... मैंने अरविंद केजरीवाल से बात करना छोड़ दिया

नई दिल्ली.

केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली के मतदाता अपनी नई सरकार चुनने के लिए मतदान कर रहे हैं. दिल्ली चुनाव में वोटिंग के बीच समाजसेवी और प्रसिद्ध गांधीवादी अन्ना हजारे ने अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी को लेकर बड़ा बयान दिया है. अन्ना हजारे ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल ने जब से राजनीतिक दल बनाया है, तब से मैंने उनसे बात करना छोड़ दिया है.

उन्होंने ये भी कहा कि मैं सामाजिक काम के लिए उनके साथ गया था. मैं किसी पर आरोप नहीं लगाना चाहता, जो करेगा वो भरेगा. अन्ना हजारे ने अरविंद केजरीवाल के साथ जुड़ाव के शुरुआती दिनों को लेकर भी बात की. उन्होंने दिल्ली चुनाव और मतदान को लेकर सवाल पर विस्तार से बताया कि मतदाताओं को अपना वोट देने से पहले किन पहलुओं पर ध्यान देना चाहिए.

अन्ना हजारे ने कहा है कि वोट देने पहले जनता को उम्मीदवार का आचरण, शुद्ध आचार, शुद्ध विचार, जीवन भी देखना चाहिए और ऐसे

उम्मीदवार को समर्थन देना चाहिए जो निष्कलंक हो. उन्होंने कहा कि मैं किसी के उपर आरोप नहीं लगाता. उन्होंने अरविंद केजरीवाल को लेकर एक सवाल पर कहा कि केजरीवाल शुरुआत में सामाजिक काम करने के लिए मेरे साथ आए थे. जिस दिन उन्होंने (अरविंद केजरीवाल ने) पार्टी बनाई, मैंने उन्हें दूर कर दिया. इसलिए अरविंद केजरीवाल पर नहीं बोलूंगा.

गौरतलब है कि अन्ना हजारे की अगुवाई में ही इंडिया अरेंस्ट करप्शन आंदोलन हुआ था. भ्रष्टाचार विरोधी इस आंदोलन के समय केंद्र में कांग्रेस की अगुवाई वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) की सरकार थी और दिल्ली में शीला दीक्षित की. अरविंद केजरीवाल भी अन्ना हजारे के इस आंदोलन का प्रमुख चेहरा हुआ करते थे और इसी आंदोलन के गर्भ से आम आदमी पार्टी निकली थी.

बेट द्वारका में मस्जिदों-मजारों पर फिर चले बुलडोजर

अहमदाबाद:

गुजरात हाईकोर्ट ने बेट-द्वारका में गैरकानूनी धार्मिक अतिक्रमणों को वक्फ बोर्ड की संपत्ति बताने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। सरकारी जमीन पर वक्फ के नाम पर अवैध कब्जा कर कुल 12 गैरकानूनी धार्मिक अतिक्रमण किए गए थे। हाई कोर्ट का फैसला आने के बाद प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू की। बता दें कि बेट-द्वारका में पिछले कुछ महीनों से सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा करके बनाई गईं इमारतों पर लगातार बुलडोजर चल रहे हैं। अब तक सरकार ने काफी बड़े इलाके को अवैध कब्जे से मुक्त करा लिया है।

गुजरात हाईकोर्ट ने खारीज कीं

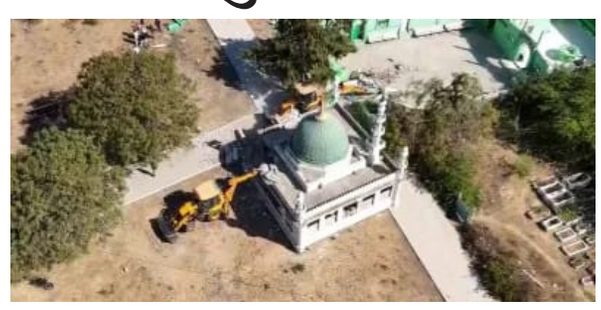

सारी याचिकाएं

देवभूमि द्वारका में स्थित बेट द्वारका में सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान को रोकने के लिए गुजरात हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की गई थीं। इन याचिकाओं में प्रशासन के द्वारा सरकारी जमीन पर स्थित दरगाहों और मस्जिदों को ढहाए जाने को चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने इन सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया जिसके बाद बेट द्वारका में सरकारी जमीन पर स्थित मस्जिदों और दरगाहों पर एक बार फिर बुलडोजर चलने लगे। इन इमारतों पर बुलडोजर चलने के वीडियो भी सामने आए हैं जिनमें नजर आ रहा है कि किस तरह जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया जा रहा है।